RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 87 ता. 23 सितम्बर 2024, सोमवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

आखिर कौन सा जानवर कर रहा हमला.....भेड़िए, सियार, डॉग या अन्य कोई

वन विभाग इस गुत्थी को सुलझाने में लगा

बहराइच । उत्तर प्रदेश के बहराइच सहित कई जिलों में भेड़िए, तेंदुए, सियार जैसे जंगली जानवरों का आतंक रुक नहीं रहा है। करीब दो माह से वन विभाग इन जानवरों को पकड़ने की कोशिश कर रहा है। विभाग ने अभी तक सिर्फ पांच भेड़ियों को पकड़ा सका है। लेकिन अब गुत्थी भी उलझती जा रही है, कि जितने भी हमले हो रहे हैं, वहां भेड़िए ही कर रहा है या सियार, डॉग या अन्य जानवर कर रहा है। इस गुत्थी सुलझाने के लिए भी वन विभाग जुड़ गया है। विभाग अब हमला किस जानवर ने किया इसका पता लगाने जांच के अन्य तरीके के बाद अब हमला करने वाले वन्यजीव के सलाइवा यानी लार की डीएनए जांच भी करवा रहा है। वन विभाग ने फिलहाल भेड़िए के हमले में मृत एक महिला के शरीर से सैंपल लेकर देहरादून स्थित वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट आफ इंडिया को भेजा है। इसकी रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा कि किस जानवर ने हमला किया है। गौरतलब है कि बहराइच के महसी तहसील अंतर्गत घाघरा नदी के कछार में स्थित 50 गांवों के हजारों नागरिक भेड़ियों के हमलों से दहशत में हैं। पिछली 17 जुलाई से इन जानवरों के हमले में सात बच्चों सहित आठ लोगों की मौत हो चुकी है जबकि करीब 36 लोग भेड़िए अथवा अन्य जानवरों के हमलों से घायल हुए हैं।

पंजाब पुलिस ने 4 ग्लॉक-26 पिस्तौल के साथ दो संदिग्धों को पकड़ा

अमृतसर । पंजाब पुलिस को अमृतसर में एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। प्रदेश के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि एक खुफिया आधारित ऑपरेशन में अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने दो संदिग्धों को पकड़ा है। उनके पास से 4 ग्लॉक-26 पिस्तौल बरामद की गई है। डीजीपी ने लिखा आरोपी पाकिस्तान में मौजूद तस्करों के संपर्क में है, जो ड्रोन और अन्य माध्यमों से हथियारों और ड्रग्स की बड़ी खेप भारतीय क्षेत्र में भेज रहा है। बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज स्थापित करने के लिए जांच चल रही है। वहीं, दूसरी ओर बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने तस्करी का प्रयास को भी असफल किया है। सुरक्षाबलों ने सीमा के पास से 2.8 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई। तरनतारन जिले के डल गांव के पास सीमा सुरक्षा बल और पंजाब पुलिस ने एक बाइक के साथ 2.8 किलोग्राम से अधिक वजन वाली संदिग्ध हेरोइन के पांच पैकेट जब्त किए। जानकारी के अनुसार बीएसएफ के जवान शुक्रवार को तरनतारन जिले के गांव डल के पास एक चौकी पर ड्यूटी पर थे। जब उन्होंने बाइक पर दो लोगों की संदिग्ध हरकत देखी। जैसे ही बीएसएफ जवानों ने उन्हें रुकने का इशारा किया, वे लोग बाइक छोड़कर मौके से भाग गए।

मुंबई में मस्जिद के अवैध निर्माण को तोड़ने को लेकर विवाद, क्षेत्र में तनाव

मुंबई। मुंबई के धारावी में एक मस्जिद के अवैध निर्माण को तोड़ने बीएमसी टीम पहुंची थी लेकिन भीड़ ने हंगामा कर दिया। लोग रास्ते पर बैठकर आंदोलन करने लगे। कार्रवाई करने पहुंची टीम की गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई जिससे इलाके में तनाव फैल गया। हालात को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। धारावी में स्थिति अभी भी तनावपूर्ण है। पुलिस अधिकारी बीएमसी अधिकारियों के साथ मिलकर मुस्लिम समुदाय के नेताओं से चर्चा कर रहे हैं। दरअसल मुंबई के धारावी के 90 फीट रोड पर 25 साल पुरानी मस्जिद को बीएमसी ने अवैध बताया था और इसे शनिवार को गिराने पहुंचे। बीएमसी के अधिकारियों की कार्रवाई से पहले ही मुस्लिम समाज के लोग रात से ही सड़कों पर आ गए और पूरा रास्ता जाम कर दिया। मुस्लिम समुदाय के लोगों का कहना है कि यह मस्जिद बहुत पुरानी है और इस पर कार्रवाई करना गलत है। मुंबई नॉर्थ सेंट्रल की सांसद प्रो. वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि सीएम एकनाथ शिंदे से मुलाकात की और उन्हें धारावी के महबूब-ए-सुभानिया मस्जिद को मिले बीएमसी के डिमोलिशन नोटिस को लेकर लोगों की भावनाओं से अवगत कराया है। वर्षा ने कहा कि सीएम से सकारात्मक बातचीत हुई है। उन्होंने कहा की वे संबंधित अधिकारियों से बात करेंगे और आश्वासन दिया कि तोड़ने की कार्यवाही पर रोक लगा दी जाएगी।

गुजरात में भी ट्रेन बेपटरी करने की साजिश

गुजरात। गुजरात के सूरत में शुक्रवार रात किम रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक के साथ छेड़छाड़ की गई। कुछ अनजान लोगों ने अप लाइन की पटरी से फिश प्लेट और कीज हटा दी थी। उन्हें उसी पटरी पर रख दिया था। साथ ही रेलवे पटरियों को जोडने वाले 71 ताले भी हटा दिए थे। स्थानीय लोगों से मामले की जानकारी मिलने पर अप स्टेशन सुपरिटेंडेंट ने की-मैन सुभाष कुमार को सतर्क कर दिया। ट्रैक की जांच की गई तो पता चला कि किसी ने ट्रेन को पटरी से उतारने की साजिश रची थी। इसके बाद रूट को बंद कर दिया गया। हालांकि थोड़ी ही देर में नई फिश प्लेट लगने के बाद रेलवे सेवा फिर से शुरू कर दी।

यह चुनाव जम्मू-कश्मीर में तीन परिवारों का शासन खत्म करने वाला चुनाव

शाह बोले- यहां के आका पहले पाकिस्तान से डरते थे, अब वह मोदी से डरता है

श्रीनगर। (एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान को लेकर चुनाव प्रचार जोरों पर है। इसी बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुंछ जिले के मेंढर में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। यहां उन्होंने कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस तथा पीडीपी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि ये चुनाव, जम्मू-कश्मीर में तीन परिवारों का शासन खत्म करने वाला चुनाव है।अमित शाह ने कहा कि 90 के दशक में जम्मू कश्मीर में कितनी गोलीबारी होती थी, याद है न आपको...अब गोलीबारी होती है क्या? पहले यहां गोलीबारी इसलिए होती थी, क्योंकि यहां के आका पाकिस्तान से डरते थे, अब पाकिस्तान पीएम नरेन्द्र मोदी से डरता है। इनकी हिम्मत नहीं है गोलीबारी करने की और अगर इन्होंने गोलीबारी की तो गोली का जवाब गोले से देंगे।शाह ने कहा कि अब्दुल्ला परिवार, मुफ्ती परिवार और नेहरू-गांधी परिवार, इन तीनों परिवारों ने यहां जम्हूरियत को रोक कर रखा था। उन्होंने कहा कि अगर 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार न आती तो पंचायत, ब्लॉक, जिले के चुनाव नहीं होते। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अब्दुल्ला, मुफ्ती और नेहरू-गांधी परिवार ने 90 के दशक से अब तक दशहतगर्दी फैलाई। आज नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से दशहतगर्दी को खत्म कर दिया है। यहां के युवाओं के हाथ में पत्थर की जगह लैपटॉप दिया है।

सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए शाह ने कहा कि मोदी सरकार के आने के बाद ओबीसी, पिछड़ों, गुर्जर बकरवाल और पहाड़ियों को आरक्षण मिला है।

जब मैंने बिल पेश किया, तो फारूक अब्दुल्ला की पार्टी ने विरोध किया और यहां गुर्जर भाइयों को भड़काया जब मैं राजौरी आया था, तब मैंने वादा किया था कि हम गुर्जर भाइयों के आरक्षण को कम नहीं करेंगे और पहाड़ियों को भी आरक्षण देंगे। हमने आपना वादा पूरा किया। कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस ने कहा है कि हम आरक्षण खत्म करेंगे, जबकि हम कह रहे हैं कि हम प्रमोशन में भी गुर्जर बकरवाल और पहाड़ियों को आरक्षण देंगे।

आधुनिक तकनीक अपनाना है, इसके दुष्प्रभाव से भी बचना हैः राष्ट्रपति मुर्मू

रांची। (एजेंसी)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रांची के नामकुम में स्थित राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान (आईसीएआर) के शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप शामिल हुई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि झारखंड से उनका विशेष लगाव रहा है और यह भगवान बिरसा मुंडा की धरती मेरे लिए तीर्थ स्थल है। उन्होंने आगे कहा कि झारखंड के राज्यपाल के अपने कार्यकाल के दौरान वह 2017 में इस संस्थान में आ चुकी हैं। हमारे देश के कई राज्यों में लाह का उत्पादन होता है। भारत में लाह का उत्पादन मुख्य रूप से जनजातीय समुदाय द्वारा किया जाता है। इस संस्थान में लाह के साथ-साथ कई उत्पाद किए जा रहे हैं। यह गर्व की बात है कि झारखंड में इसका उत्पादन देश के कुल उत्पादन का 55 फीसदी है। उन्होंने कहा कि एसएजी समूह की बहनें बहुत मेहनती हैं जो कृषि के साथ अन्य उत्पाद से जुड़ी हुई हैं। महिलाएं सब्जी उत्पादन करती हैं, लेकिन उसे फ्रिजिंग करने की जरूरत है ताकि सब्जियां खराब न हो। आज का दौर आधुनिक तकनीक का है इसका इस्तेमाल करना है लेकिन इसके दुष्प्रभाव से भी बचना है। अभी भी अनेक क्षेत्र हैं जहां हम और आगे जा सकते हैं। लाह के उत्पादन, सप्लाई चैन और मार्केटिंग में सुधार किया जाए तो हम लाह की खेती में और आगे बढ़ सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि गांवों में कृषि आधारित भंडारण नीति बनाई जा रही है। अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी हमारी कृषि एवं उत्पाद कैसे आगे बढ़े, इसके लिए काम करने जरूरत है। आज भी हमारे किसानों गरीबी का जीवन जी रहे हैं। इस दिशा में काम करने की जरूरत है। सेकेंडरी कृषि इसका विकल्प हो सकता है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और वे गांव भी नहीं छोड़ेंगे। वेस्टेज वस्तुओं को हम रीसाइकलिंग करके उपयोगी एवं मूल्यवान वस्तुएं बना सकते हैं। एक बदाम के छिलके से कैसे वे लाभान्वित हो सकते हैं इसे भी देखने का मौका मिला है।

खाई में गिरी जवानों से भरी बस, चार शहीद, कांग्रेस अध्यक्ष ने जताया शोक

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में एक बड़ा हादसा हुआ जहां चुनाव ड्यूटी के लिए जा रहे सीमा सुरक्षा बल के जवानों की एक बस खाई में गिरकर दुर्घटना हो गई जिसमें बीएसएफ के चार जवान शहीद हो गए और 28 घायल हो गए। दुर्घटना में बस पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घायल जवानों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका इलाज चल रहा है। इस घटना पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा-जम्मू-कश्मीर के बडगाम में भयानक त्रासदी के बारे में सुनकर बेहद दुख हुआ, जहां चुनाव ड्यूटी के लिए ले जा रही बस के खाई में गिर जाने से चार बीएसएफ जवानों की जान चली गई और करीब 28 घायल हो गए। बहादुरों के परिवारों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदना। भगवान उन्हें इस अपूरणीय क्षति से उबरने की शक्ति प्रदान करे। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं घायलों के साथ हैं, हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। वहीं घटना पर दुख जताते हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक आरआर स्वैन ने कहा कि हम इन समर्पित सैनिकों के नुकसान पर शोक व्यक्त करते हैं, जिन्होंने देश की अथक सेवा की। हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं और उन्हें सभी जरुरी सहायता और सहयोग का भरोसा दिलाते हैं। कश्मीर जोन के आईजीपी वीके बिरदी, बीएसएफ के कश्मीर फ्रंटियर के आईजी, कश्मीर के डिवीजनल कमिश्नर, एसएसपी श्रीनगर, एसएसपी बडगाम, डीसी बडगाम और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने अस्पताल का दौरा किया, जहां घायल जवानों का इलाज चल रहा है।

दिल्ली की सबसे कम उम्र की तीसरी महिला सीएम बनी आतिशी

नई दिल्ली । (एजेंसी)

आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शनिवार को राज निवास में आयोजित कार्यक्रम में आतिशी को सीएम पद की शपथ दिलाई। इसके साथ आतिशी दिल्ली की तीसरी और सबसे कम उम्र की महिला मुख्यमंत्री बनी हैं। बात दें कि इसके पहले भाजपा नेत्री सुषमा स्वराज और कांग्रेस की शीला दीक्षित बन चुकी हैं दिल्ली की मुख्यमंत्री। आतिशी के साथ विधायक गोपाल राय, सौरभ भारद्वाज, कैलाश गहलोत, इमरान हुसैन और मुकेश अहलावत ने मंत्री पद की शपथ ली। सुल्तानपुर माजरा से विधायक अहलावत पहली बार दिल्ली सरकार में मंत्री बने हैं। जबकि राय, भारद्वाज, गहलोत, हुसैन केजरीवाल सरकार में भी कैबिनेट मंत्री थे। इसके पहले आबकारी नीति से जुड़े मामले में तिहाड़ जेल से जमानत पर रिहा होने के बाद 17 सितंबर को अरविंद केजरीवाल ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद आम आदमी पार्टी विधायक दल की बैठक में आतिशी को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया था।

तिरुमला तिरुपति देवस्थानम.....

पवित्र प्रसाद की शुद्धता बहाल कर दी गई

कर्नाटक में प्रसाद बनने में इस्तेमाल होगा नंदिनी घी

तिरुपति । (एजेंसी)

आंध्र प्रदेश के प्रसिद्ध तिरुपति मंदिर के 'लड्डू प्रसादम में इस्तेमाल होने वाले घी को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इन लड्डुओं में जानवरों की चर्बी की खबर सुनकर देशभर के श्रद्धालु चिंता में पड़ गए हैं। इस बीच अब इस लड्डू विवाद पर तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) का बयान आया है। टीटीडी ने साफ किया कि इस पवित्र प्रसाद की शुद्धता बहाल कर दी गई है।

तिरुमला पर्वत पर स्थित श्री वेंकेटेश्वर स्वामी मंदिर का प्रबंधन करने वाले टीटीडी ने कहा कि श्रीवारी लड्डू की पवित्रता अब बेदाग है। टीटीडी सभी भक्तों की संतुष्टि के लिए लड्डू प्रसादम की पवित्रता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। टीटीडी ने लैब की रिपोर्ट का हवाला देकर कहा कि घी में 'चर्बी' और दूसरी अशुद्धियां पाई गई हैं। टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी जे. श्यामला राव ने कहा कि लैब टेस्ट में नमूनों में पशु वसा और चर्बी पाई गई है। बोर्ड इस 'मिलावटी' घी की सप्लाई करने वाले ठेकेदार को 'ब्लैकलिस्ट' करने की तैयारी में है।

उधर कर्नाटक के मुजराई मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने बताया कि जिन मंदिरों में प्रसाद बनाने के लिए नंदिनी घी का इस्तेमाल नहीं होता है, उन्हें नंदिनी घी का इस्तेमाल करने को कहा जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और अच्छी क्वालिटी का प्रसाद मिल सके। कर्नाटक के मंत्री रेड्डी ने कहा, 'तिरुपति विवाद के बाद कर्नाटक के मंदिरों में दिए जाने वाले प्रसाद को लेकर भी लोगों के मन में संदेह होगा।

किसी भी तरह की आशंका या चिंता को दूर करने के लिए सरकार ने मैसूर के लैब में उनकी जांच कराने का फैसला किया है। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि वे अब से केवल नंदिनी घी का ही इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा, 'हम केवल केएमएफ और नंदिनी उत्पादों को ही बढ़ावा देने वाले हैं, और इसलिए हमारे मंदिर भी अब केवल उनके घी का ही इस्तेमाल होगा। मंत्री ने कहा कि देवताओं और भक्तों को चढ़ाए जाने वाले प्रसाद में इस्तेमाल होने वाली चीजों की शुद्धता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

कांग्रेस अपने दलित नेता का सम्मान नहीं कर पाई, तो दूसरों का क्या करेगी

-बीजेपी नेता खट्टर बोले- शैलजा का हुआ अपमान, हम उन्हें साथ लाने को तैयार

नई दिल्ली। (एजेंसी)

हरियाणा में विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक पार्टियां तैयारी कर रही हैं। वहीं कई पार्टियों में टिकट तो लेकर भी खींचतान जारी है। वहीं अब कांग्रेस की कुमारी शैलजा को लेकर राजनीति गरमा गई है। बीजेपी ने उन्हें आफर दे दिया है कि वह हमारी में शामिल जाएं। पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर ने एक कार्यक्रम में कहा कि बहन कुमारी शैलजा का कांग्रेस में अपमान हुआ है। कांग्रेस अपनी दलित नेता का सम्मान नहीं कर पाई, तो वह प्रदेश के बाकी दलितों का क्या करेगी। हमने कई नेताओं को अपने साथ मिलाया है और हम तैयार हैं उन्हें भी अपने साथ लाने के लिए।

खट्टर ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और कहा कि कांग्रेस पार्टी की दलित नेता कुमारी शैलजा का अपमान हुआ है उन्हें गालियां तक दी गई हैं और अब वे घर बैठ गई हैं। खट्टर ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा और गांधी परिवार पर आरोप लगाते हुए कहा कि इस अपमान के बावजूद उन्हें शर्म नहीं आई है। आज एक बड़ा वर्ग सोच रहा है कि क्या करें।

मनोहरलाल खट्टर की इस टिप्पणी ने हरियाणा की चुनावी राजनीति में उबाल ला दिया है, खासकर तब जब शैलजा पिछले हफ्ते से पार्टी के प्रचार से दूर हैं। हालाँकि वे अपने घर पर समर्थकों से मिल रही हैं, लेकिन क्षेत्र में सक्रिय नहीं हैं। दलित वोट बैंक की राजनीति करने वाली पार्टियां भी शैलजा को अपने पाले में लाने की कोशिश में जुटी हैं। 13 सितंबर को शैलजा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इसके बाद से न ही वे हरियाणा के प्रचार अभियान में शामिल हुई हैं और न ही सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। इस बीच, बीजेपी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा है कि जब कांग्रेस अपनी दलित नेता का सम्मान नहीं कर पाई, तो वह प्रदेश के बाकी दलितों का क्या करेगी। शैलजा की नाराजगी ने हरियाणा की राजनीति में हलचल मचा दी है। हाल ही में, बीएसपी के नेशनल कॉर्डिनेटर आकाश आनंद ने भी शैलजा के बहाने कांग्रेस पर निशाना साधा, जिससे यह मुद्दा और गरमा गया। 19 सितंबर को बसपा के राष्ट्रीय संयोजक और बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने हरियाणा में अपनी पहली चुनावी जनसभा को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जैसे नेता आरक्षण खत्म करना चाहते हैं। आप सब जान लीजिए कि संविधान हमारी पहचान है और आरक्षण को हम खत्म नहीं होने देंगे। उन्होंने कांग्रेस नेता कुमारी शैलजा का भी जिक्र किया और कहा कि हुड्डा के समर्थकों ने शैलजा के बारे में कितनी बुरी बातें कही हैं। वह एक बड़ी दलित नेता हैं। हम उनका सम्मान करते हैं।

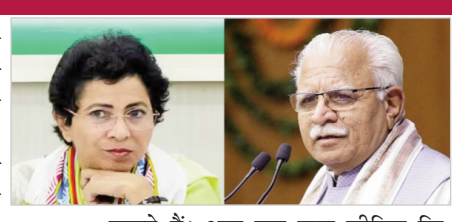

इस बार और भव्य होगी काशी की देव दीवाली

लखनऊ। इस बार की देव दीवाली पहले से ज्यादा भव्य होगी। यहां के 84 घाटों और शहर के तालाबों के किनारे 12 लाख दीप जलाएंगे। इनमें से 3 लाख दीये गोबर के होंगे। यहां शिव महिमा और मां गंगा पर लेजर शो भी होगा। ग्रीन आतिशबाजी भी लोग देखेंगे। वाराणसी प्रशासन ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। इस बार 15 नवंबर को देव दीवाली पड़ रही है। इस दिन काशी के घाट दीयों से जगमगाएंगे। काशी के अर्धचंद्राकार घाटों व कुंड और जलाशयों में भी दीये जलाएंगे। इस बार लाखों दीयों को जलाने का लक्ष्य रखा है। वहीं ऐतिहासिक घाटों को इलेक्ट्रिक लाइट से भी रोशन करेंगे। गंगा की रेती पर भी दीये जलेंगे। जिससे घाटों से गंगा पार का भव्य नजारा दिखेगा। पर्यटन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर ने कहा कि 12 लाख दीयों में 2.5 से 3 लाख गाय के गोबर से बनेंगे। देव दीवाली पर दीये जलाने के लिए काशी के 84 से अधिक घाटों, कुंडो और तालाबों पर योगी सरकार के कई विभाग काम करेंगे। लोगों की सहभागिता के लिए संस्थाओं, सामाजिक संगठनों से भी सहयोग लेंगे। यूपी सरकार ने देव दीवाली को भव्य स्वरूप देने के लिए इसे प्रांतीय मेला घोषित किया है। काशी में देव दीवाली पर लाखों की संख्या में लोग पहुंचते हैं। उनके लिए घाटों पर कई कार्यक्रमों का आयोजन होगा। प्रमुख घाटों पर लेजर शो और ग्रीन आतिशबाजी का आयोजन भी होगा। लेजर शो के माध्यम से गंगा अवतरण और शिव महिमा की कथा दिखायेंगे। गंगा पार रेत पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए प्रदूषण रहित ग्रीन आतिशबाजी होगी।

यूपी-बिहार में बाढ़ जैसे हालात, नदियां उफान पर, देश के कई राज्यों में अलर्ट जारी

नई दिल्ली। यूपी में बारिश के चलते 21 जिलों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। गंगा समेत कई नदियों का जलस्तर बढ़ा गया है। इस कारण काशी और प्रयागराज में सभी घाट पानी में डूबे गए हैं। एटा में नहर कटने से किसान की फसल बर्बाद हो गई है। हरदोई में बाढ़ के चलते दर्जनों स्कूलों को बंद कर दिया गया है। उन्नाव में गंगा खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं, जिससे कई मोहल्लों में पानी भर गया है। सड़कों पर नाव चलाई जा रही है। बिहार में भी गंगा समेत कई नदियों का जलस्तर बढ़ने से पटना, भागलपुर, मुंगेर और बेगूसराय में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई हैं। पटना के एनएच-31 पर रविवार को भी पानी भरा हुआ है। राजस्थान के जैसलमेर के सम इलाके में एक महीने से बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। यहां 350 घर पानी में डूबे हुए हैं। लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने बताया कि यहां 25 साल बाद ऐसी स्थिति बनी है। वहीं मध्य प्रदेश समेत 18 राज्यों में मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। मानसून की विदाई जल्द ही राजस्थान से शुरू हो सकती है। रविवार को मध्य प्रदेश समेत 18 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इनमें से सात राज्यों में तेज बारिश की संभावना है। केरल और तमिलनाडु में उमस भरी गर्मी से लोग परेशान हो सकते हैं।

लॉरेंस बिश्नोई ने रंगदारी के लिए साउथ दिल्ली में करवाया था मर्डर?

नई दिल्ली। दिल्ली के पॉश इलाके ग्रेटर कैलाश में नादिर शाह नाम के युवक की हत्या के मामले में कुछ नई बातें सामने आ रही हैं। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दुबई में बैठे कॉल सेंटर माफिया कुणाल छाबड़ा को नोटिस भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया है। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई भी कुणाल छाबड़ा के खिलाफ जांच कर रही है। नादिर शाह की हत्या में लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम सामने आया है। साउथ दिल्ली में नादिर शाह की हत्या को लेकर पुलिस का कहना है कि इस हत्याकांड को गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई गैंग ने अंजाम दिया, जिसका फुटेज भी सामने आया था। मृतक नादिर शाह अफगान मूल का था। वो दिल्ली पुलिस स्पेशल के कुछ अधिकारियों का इनफॉर्मर भी था। नादिर के खिलाफ भी दिल्ली पुलिस में कई मामले दर्ज थे। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली में मौजूद कई सफेदपोश लोगों ने नादिर शाह पर अपनी ब्लैक मनी को व्हाइट करने जिम्मेदारी दी थी। नादिर की हत्या से कई सफेदपोश लोगों के कई सौ करोड़ रुपये डूबने की भी बात कही जा रही है। साउथ दिल्ली में नादिर शाह ने 2 जिम और दुबई में कई होटल खोल रखे थे।जानकारी के अनुसार, एफबीआई ने कॉल सेंटर माफिया कुणाल छाबड़ा के खिलाफ दिल्ली पुलिस को लिखित शिकायत दी थी। कुणाल छाबड़ा के दिल्ली एनसीआर समेत भारत के कई राज्यों में अवैध कॉल सेंटर चलते हैं। आरोप है कि इन कॉल सेंटरों के जरिए अमेरिकन लोगों के साथ ठगी की गई और उनके खातों से डॉलरों पर हाथ साफ किया गया। कुणाल छाबड़ा से कुख्यात गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई ने 10 करोड़ की रंगदारी मांगी थी। रंगदारी न देने पर लारेंस बिश्नोई ने वीडियो कॉल कर जान से मारने की धमकी भी दी थी। माना जा रहा है रंगदारी न देने की वजह से कुणाल के करीबी और पार्टनर नादिर शाह को दिल्ली के ग्रेटर कैलाश में लारेंस बिश्नोई गैंग ने कई गोलियां मारी थीं और इसके बाद सीधा कुणाल छाबड़ा को मैसेज किया था।

कानपुर में ट्रैक पर छोटा गैस सिलेंडर रखकर ट्रेन पलटाने की साजिश नाकाम

कानपुर। देश में ट्रेन पलटने की साजिशें लगातार हो रही हैं। जिन्हे बार बार नाकाम किया जा रहा है। अबकी बार दिल्ली- हावड़ा रेलमार्ग पर महाराजपुर के प्रेमपुर रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक पर छोटा गैस सिलेंडर रखकर ट्रेन पलटाने की घटना सामने आई है। हालांकि ट्रेन के लोको पायलट ने ट्रैक के बीच में सिलेंडर रखा देख ट्रेन रोक दी, जिससे कोई हादसा नहीं हुआ। पुलिस और रेल अधिकारी मौके पर हैं। इससे पहले पनकी औद्योगिक क्षेत्र के पास साबरमती एक्सप्रेस का इंजन और 20 बोगी ट्रेन की पटरी से नीचे उतर गए थे। रेलवे ने बताया- गुड्स ट्रेन कानपुर से प्रयागराज की ओर आने के दौरान जब प्रेमपुर स्टेशन पर लूप लाइन पर आ रही थी तो गाड़ी में कार्यरत लोको पायलट देव आनंद गुप्ता एवं सहायक लोको पायलट सीबी सिंह ने सिग्नल से कुछ दूर पहले एक सिलेंडर रखा हुआ देखा। उन्होंने त्वरित कार्यवाही करते हुए इमरजेंसी ब्रेक लगाकर गाड़ी को सिलेंडर से पहले रोक लिया।

जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र को फलता-फूलता देख पाकिस्तान को दर्द हो रहा है: राजनाथ सिंह

पुंछ।(एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 18 सितंबर को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान में भारी संख्या में हिस्सा लेने के लिए लोगों की रविवार को सराहना की और कहा कि अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को हटाए जाने के बाद केंद्र शासित प्रदेश में लोकतंत्र को फलते-फूलते देख पाकिस्तान के ''पेट में दर्द'' हो रहा है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सिंह ने नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां), कांग्रेस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) पर अपने घोषणापत्रों में संविधान के अनुच्छेद 370 की बहाली की बात करके लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इन दलों को ''पाकिस्तान के प्रॉक्सी'' के रूप में काम करना बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा, ''विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 61 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ जो 30 वर्षों में सर्वाधिक है और लोकसभा चुनाव में हुए 58 प्रतिशत के रिकॉर्ड मतदान को भी पीछे छोड़ दिया। दुनिया में यह संदेश गया है कि अनुच्छेद 370 को भारत की बेहतरी के लिए हटाया गया।''

सिंह ने यहां भाजपा उम्मीदवार चौधरी अब्दुल गनी के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''लोगों ने लोकतंत्र का झंडा इतना ऊंचा उठा दिया है कि पाकिस्तान के पेट में दर्द हो रहा है। हम पाकिस्तान के साथ दुश्मनी नहीं चाहते, क्योंकि हम अपने सभी पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं। पाकिस्तान अपनी घरेलू समस्याओं से अपने लोगों का ध्यान हटाने के लिए भारत के खिलाफ नापाक हरकतें करता रहता है।''

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के बयान का हवाला देते सिंह ने कहा कि पड़ोसी देश को जम्मू-कश्मीर के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने का अधिकार किसने दिया है। आसिफ ने कहा था कि उनका देश और नेकां-कांग्रेस गठबंधन अनुच्छेद 370 की बहाली पर एक ही राय रखते हैं। सिंह ने कहा, ''मैं नेकां, कांग्रेस और पीडीपी के अपने मित्रों से पूछना चाहता हूं कि क्या आप पाकिस्तान के प्रतिनिधि के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं?''

रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के लोग परेशान हैं और भारत में शामिल होना चाहते हैं। सिंह ने कहा, ''वे (पीओके के लोग) जम्मू एवं कश्मीर में बदलाव और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की प्रगति देख रहे हैं। वे अपनी समृद्धि के लिए भारत में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं और वे अब उनके (पाकिस्तान) साथ नहीं रहना चाहते।'' रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत ने कभी भी धर्म के आधार पर लोगों के बीच भेदभाव नहीं किया और पीओके के निवासियों को अपना माना। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कथन ''हम दोस्त बदल सकते हैं, पड़ोसी नहीं'' का हवाला देते हुए सिंह ने कहा कि अगर पाकिस्तान सही रास्ते पर चलता है, तो भारत अपने पड़ोसी देश के साथ अच्छे संबंध रखने को तैयार है। उन्होंने कहा, ''हमें वाजपेयी के शब्दों को नहीं भूलना चाहिए।''

जगन मोहन रेड्डी ने पीएम मोदी से नायडू को फटकार लगाने की मांग की, जाने क्यों?

नई दिल्ली। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के प्रमुख जगन मोहन रेड्डी ने तिरुपति लड्डू में मिलावट के मुद्दे पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा। अपने इस पत्र में रेड्डी ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को 'आदतन झूठ बोलने वाला' बताया है। इसी के साथ रेड्डी ने पीएम मोदी से आग्रह किया है कि वह

मुख्यमंत्री को फटकार लगाएं क्योंकि उन्होंने राजनीतिक उद्देश्यों के लिए करोड़ों लोगों की आस्था को ठेस पहुंचाने का काम किया है। जगन मोहन रेड्डी ने लिखा, 'चंद्रबाबू नायडू एक रोगग्रस्त और आदतन झूठ बोलने वाले व्यक्ति हैं, जो इस हद तक गिर गए हैं कि उन्होंने विशुद्ध रूप से राजनीतिक उद्देश्यों के लिए करोड़ों लोगों की आस्था को ठेस पहुंचाई है। महोदय, इस समय पूरा देश आपकी ओर देख रहा है। यह जरूरी है कि श्री नायडू को झूठ फैलाने के उनके बेशर्म कृत्य के लिए कड़ी फटकार लगाई जाए और सच्चाई को सामने लाया जाए। इससे श्री नायडू द्वारा करोड़ों हिंदू भक्तों के मन में पैदा किए गए संदेह दूर होंगे और टीटीडी की पवित्रता में विश्वास बहाल होगा।' घटनाक्रम की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखना जरूरी है कि कथित रूप से मिलावटी घी को अस्वीकार कर दिया गया था और उसे टीटीडी के परिसर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गई थी। हालांकि, नायडू ने दुर्भावनापूर्ण इरादे से 18 सितंबर को एक राजनीतिक पार्टी की बैठक में इस मुद्दे को उठाया।

अठावले ने बढ़ाई बीजेपी की मुशकिलें, महाराष्ट्र में मांगी 10-12 सीटें

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र चुनाव को लेकर सहयोगी पार्टी आरपीआई-ए के प्रमुख रामदास अठावले एक बार फिर बीजेपी के लिए सिरदर्द बन सकते हैं। अठावले ने आगमी विधानसभा चुनाव को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है और कहा है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में कम से कम 10 से 12 सीटों पर उनकी पार्टी चुनाव लड़ेगी।

आरपीआई-ए प्रमुख अठावले ने बताया कि उनकी पार्टी अपने चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ेगी और विदर्भ क्षेत्र में तीन-चार सीटों की मांग करेगी, जिसमें उत्तर नागपुर, उमरेड (नागपुर), उमरखेड (यवतमाल) और वाशिम क्षेत्र शामिल हैं। बीजेपी हरियाणा में सीट बंटवारे को लेकर पहले से ही मुश्किलों का सामना कर रही है, जहां पार्टी की सहयोगी शिवसेना और एनसीपी की सीट बंटवारे पर अपनी-अपनी इच्छाएं और मांगें हैं।

महायुति गठबंधन में बीजेपी, सीएम एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना और अजीत पवार की पार्टी एनसीपी शामिल है और आरपीआई-ए भी इस गठबंधन का हिस्सा है। रामदास अठावले की पार्टी केंद्र में भी बीजेपी की सहयोगी है और ऐसे में बीजेपी के लिए दोहरी समस्या खड़ी हो रही है, जहां पार्टी अकेले अच्छे-खासे सीटों पर चुनाव लड़ने का मन बना रही है। अठावले ने कहा कि हमने 18 संभावित सीटों की सूची बनाई है, जो हम महायुति के साथियों के साथ साझा करेंगे, और हमें उम्मीद है कि हमें कम से कम 10 से 12 सीटें मिलेंगी। अठावले ने बीजेपी-शिवसेना और एनसीपी से उनकी पार्टी को चार-चार सीटें उनके कोटे से देने की मांग की है। उन्होंने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के महायुति सरकार में शामिल हो जाने के कारण आरपीआई-ए को राज्य में कोई मंत्री पद नहीं मिला है, जबकि उनसे पहले वादा किया था। अठावले ने राज्य मंत्रिमंडल में स्थान, दो निगमों की अध्यक्षता और जिला-स्तरीय समितियों में भूमिकाएं देने का वादा किया गया था, लेकिन अजीत पवार की एंट्री से उनकी पार्टी इन पदों को पाने से महरूम रह गई। वर्तमान विधानसभा में बीजेपी के 103 विधायक हैं, शिवसेना के 40, एनसीपी के 41, कांग्रेस के 40, शिवसेना (यूबीटी) के 15, एनसीपी (एसपी) के 13 और अन्य 29 हैं और कुछ सीटें अभी खाली हैं।

गायब हो रहे छोटे नोटों से कांग्रेस चिंतित, केंद्र को चिट्ठी लिखकर बताई गरीबों की परेशानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कभी कभी विपक्षी नेता जनहित से जुड़े अच्छे काम भी कर लेते हैं। इस बार छोटे नोटों को लेकर गरीब ग्रामीण परेशान हो रहे हैं। खुल्ले के टोटे से जूझने की वजह ये है कि 10-20 और 50 के नोट बाजार से गायब हो रहे हैं। परेशानी उनकी ज्यादा बढ़ी है जो डिजिटल पेमेंट से दूर हैं। इस समस्या को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिकम टैगोर ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर छोटे नोटों की कमी पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि मार्केट में छोटे नोटों की कमी हो गई है जिसकी वजह से गरीबों को खासी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। टैगोर ने कहा कि 10-20 और 50 के नोटों की कमी की वजह से ग्रामीण और शहरी गरीबों को परेशानी हो रही है।

शनिवार को टैगोर ने अपने पत्र में लिखा, रिपोर्ट्स से पता चला है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने यूपीआई और कैशलेस ट्रांजैक्शन को बढ़ावा देने के लिए इन नोटों को छापना ही बंद कर दिया है। डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने की बात समझ में आती है लेकिन इससे वे लोग प्रभावित हो रहे हैं जो अभी डिजिटल पेमेंट का उपयोग नहीं करते। खास तौर पर ग्रामीण भारत के लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से मुद्रा प्राप्त करने के मौलिक अधिकार का भी उल्लंघन होता है। छोटे नोट कम होने की वजह से छोटे कारोबार भी प्रभावित हो रहे हैं। दिहाड़ी मजदूरों, रेहड़ी पटरी वाले कैश पर ही निर्भर होते हैं। उन्होंने वित्त मंत्री से कहा कि आरबीआई को छोटे नोटों की छपाई शुरू करने का निर्देश दिया जाए। इसके अलावा गांवों में डिजिटल पेमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर पर भी ध्यान दिया जाए। बता दें कि देश में चार जगहों पर कागज के नोट छापे जाते हैं। आरबीआई के दिशा निर्देश पर डिपार्टमेंट ऑफ करेंसी मैनेजमेंट नोट छपाई का काम करता है। करेंसी नोट प्रेस में से दो का स्वामित्व भारत सरकार के पास और दो का रिजर्व बैंक के पास है। नासिक और देवास में भारत के स्मामित्व वाले नोट प्रेस मौजूद हैं। इसके अलावा मैसूर और सालबोनी के प्रेस का स्वामित्व रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पास है।

एआई तकनीकी पर कुछ कंपनियों के एकाधिकार को लेकर, विश्वव्यापी चिंता

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र संघ में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीकी पर कुछ बहुराष्ट्रीय कंपनियों के एकाधिकार को लेकर विश्व व्यापी चिंता जग जाहिर हुई है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने चेतावनी दी है बहुराष्ट्रीय कंपनियां इसका दुरुपयोग कर सकती हैं। यूएन के एआई सलाहकार निकाय ने जो रिपोर्ट सोंपी है। उसमें आने वाले खतरे और जो कमी है। उसको लेकर नियम बनाने की अनुशंसा की है। निकाय ने 7 अनुशंसा की हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ की शिखर सम्मेलन पर अब इसमें चर्चा शुरू हो गई है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने पिछले वर्ष एआई के खतरों पर विचार करने के लिए 39 सदस्यों की एक सलाहकार समिति गठित की थी। उसने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। रविवार को शिखर सम्मेलन मे इस पर विचार होगा। एआई तकनीकी को विश्वसनीय और निष्पक्ष बनाने के लिए कमेटी ने सात अनुसंसा की है। जिसमें अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल बनाए जाने की बात कही गई है। एआई गवर्नेंस को लेकर नीतिगत संवाद और निर्णय,मानकों का आदान-प्रदान क्षमता और विकास नेटवर्क, एआई के लिए वैश्विक कोष बनाने, वैश्विक डेटा ढांचा, तथा कमेटी की अनुशंसाओं का पालन तथा निकाय के लिए पृथक से कार्यालय की व्यवस्था करने की अनुशंसा की गई है। भारत जैसे देश में एआई के दुरुपयोग होने पर नियंत्रण करने के लिए अभी कोई कानून नहीं है। आईटी कानून या भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में यदि मामला दर्ज होगा।

डीजीपी, मुख्य सचिव और एडीजी की अनुपस्थिति वाली समीक्षा बैठक में औचित्यहीन: तेजस्वी यादव

पटना(एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने एक दिन पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई गृह विभाग की समीक्षा बैठक पर सवाल उठाते हुए कहा, ÷ऐसी समीक्षा बैठक का क्या फायदा और औचित्य जिसमें राज्य के डीजीपी (पुलिस महानिदेशक), मुख्य सचिव और एडीजी भी उपस्थित ना रहे।÷पूर्व उपमुख्यमंत्री और वर्तमान में बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर राज्य में अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए यह भी कहा कि उपरोक्त अधिकारियों की अनुपस्थिति यह दर्शाती है कि कानून-व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री कितने गंभीर हैं।

मुख्यमंत्री द्वारा गृह विभाग की समीक्षा बैठक के एक दिन बाद रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में यादव ने कहा, ÷कानून व्यवस्था पर मुख्यमंत्री हर बार उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करने की सिर्फ औपचारिकता पूरी करते है। नीतीश जी का इकबाल यह है कि प्रदेश में ऐसी प्रत्येक समीक्षा बैठक के बाद अपराध में और अधिक वृद्धि होती है क्योंकि अधिकारी एवं अपराधी भी ऐसी बैठकों की असलियत जानते है। अधिकारी भी जानते है कि जब विपक्ष का दबाव बढ़ता है तो दिखावे व औपचारिकता के लिए मुख्यमंत्री अचानक ऐसी बैठक बुला लेते है।

उन्होंने यह भी लिखा, ऐसी समीक्षा बैठक का क्या फायदा और औचित्य जिसमें राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), मुख्य सचिव और अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) भी उपस्थित ना रहे। शीर्षस्थ अधिकारियों की अनुपस्थिति दर्शाती है कि विधि व्यवस्था पर मुख्यमंत्री जी कितने गंभीर है। राजग सरकार अपराधियों को संरक्षित एवं संपोषित कर बिहारवासियों की जान के साथ खेल रही है। गौरतलब है कि गृह विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने शनिवार को इस बात पर जोर दिया था कि कानून का शासन राजग सरकार की 'सर्वोच्च प्राथमिकता' है।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के एक बयान के अनुसार, कुमार ने कहा था कि सरकार कानून-व्यवस्था से कोई समझौता नहीं करेगी और लापरवाह पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को रात्रि गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए तथा वरिष्ठ अधिकारियों से अपने-अपने संबंधित क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने संगठित आपराधिक गिरोहों के खिलाफ कार्रवाई के भी आदेश दिए तथा इस संबंध में आवश्यक उपाय किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कानून-व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए राज्य पुलिस में विभिन्न श्रेणियों में 2,29,139 नये पदों के सृजन की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री बताया कि वर्तमान में लगभग 1,06,436 पुलिस कर्मी सेवारत हैं तथा शेष रिक्तियों को भरने के प्रयास जारी हैं।

अमेरिका में पीएम मोदी के खिलाफ लगे पोस्टरों के लिए राहुल गांधी को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ पोस्टर लगाए गए। इस पर भाजपा ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। भाजपा ने इसका पूरा दोष कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ऊपर मढ़ दिया है। पार्टी प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि हाल ही में राहुल गांधी अमेरिका से लौटकर आए हैं, मैं कहना चाहूंगा कि भारत विरोधी शक्तियों के स्थापित और प्रायोजित मोहरों के साथ भारत के विरुद्ध होने वाली सियासत की जमात पर जो गलबहियां करके वो आए हैं, मुझे लगता है यह उसका आफ्टर इफेक्ट दिखाई दे रहा है। यह वही नफरती जमात है, जिनकी नफरत की इस दुकान में निंदनीय विज्ञापन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरुद्ध दिखाई दे रहा है।

सुधांशू ने टाइमलाइन का जिक्र करते हुए कहा कि राहुल गांधी भारत विरोधी ताकतों का सहारा लेकर भारत विरोधी सियासत को ताकत दे रहे हैं। फिर चाहे अंकल सैम से हों, या कोई भी हो और अधिक दुख इस बात का होता है कि उस प्रधानमंत्री के लिए है, जिसने भारत को 10 वर्षों में फ्रेजाइल फाइव से टॉप-5 इकोनॉमी में पहुंचाया है। जिसने 26 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। जिसने डिजिटल वर्ल्ड में भारत को सिरमौर बनाया, जिसने आंतरिक और बाह्य सुरक्षा इतनी सुधारी कि 10 साल पहले भारत का कोई ऐसा राज्य या बड़ा शहर नहीं था, जहां आतंकी हमले ना होते हो। पीएम मोदी ने भारत को वहां से निकाला, आत्मरक्षा में भारत को मजबूत बनाया। नरेंद्र मोदी एकमात्र प्रधानमंत्री हैं, जिसे मॉर्निंग कंसल्ट ने लगातार विश्व के लोकप्रिय नेता के रूप में माना है।उन्होंने कहा कि अफसोस की बात यह है कि एक तरफ हमारे ऐसे प्रधानमंत्री जो हर भारतवासी के लिए भारत के गौरव, राष्ट्रीय अस्मिता और राष्ट्रवाद के एक महामेरु पर्वत के रूप में दिखाई पड़ते हैं, तो वहीं दूसरी तरफ यह नफरती दुकान का इश्तेहार उनके ऊपर निम्न स्तरीय प्रहार करने का प्रयास दिखता है। ऐसे विज्ञापन देने वाले लोग जो भले ही मुखौटा कोई और लगाएं हों, मगर सारा देश समझ रहा है कि पीछे से वह किसके द्वारा संचालित हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के लिए वह कहना चाहेंगे कि, राष्ट्रवाद के महामेरु पर वार बहुत ही हल्का है और भारत विरोधी ताकतों में ये घबराहट का तहलका है।

तिरुपति के प्रसादम जैसा ही मामला शिरडी में भी हुआ था, खूब मचा था बवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिरुपति के प्रसादम में पशुओं की चर्बी का मामला गरम हो रहा है ठीक वैसा ही 12 साल पहले शिरडी में भी हुआ था। उस समय कई श्रद्धालुओं ने आरोप लगाया था कि मंदिर में प्रसाद के रूप में जो लड्डू मिलता है, उसमें मिलावट है। भक्तों की शिकायत थी कि इस लड्डू की क्वालिटी बहुत खराब है। कुछ भक्तों ने तो यह आरोप भी लगाया कि इससे बदबू आती है। उस समय भी तिरुपति बालाजी की तरह शिरडी में प्रसाद बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले देशी घी की क्वालिटी पर भी सवाल उठाए गए थे। देश के कोने कोने से भक्त साईं बाबा के दरबार में माथा टेकने आते हैं और मंदिर की ओर से मिलने वाले लड्डू को प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं। वे इसे लेकर घर भी जाते हैं और अपने परिवार के सदस्यों और जान-पहचान वालों में बांटते हैं। लेकिन प्रसाद में मिलावट की इस खबर से लोगों की आस्था को चोट पहुंची थी।

शिरडी के साईं बाबा के मंदिर में उस समय रोज तकरीबन 50 क्विंटल तक प्रसाद बनता था। प्रसाद का सामान टेंडर के जरिये मंगाया जाता था। कुछ भक्तों ने लड्डू की खराब क्वालिटी की ओर तो ध्यान आकर्षित किया ही, उसके अलावा सत्यनारायण प्रसाद के लिए बने सूजी के हलवे की क्वालिटी की भी शिकायत की थी। शिकायतों के बाद, जिले के शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ मंदिर ट्रस्ट की समिति के सदस्यों ने भी पाया कि लड्डू का स्वाद खराब था। उन्होंने तब घी निर्माता और आपूर्तिकर्ता के खिलाफ कार्रवाई का संकेत दिया था। प्रसाद की खराब क्वालिटी के बारे में यह शिकायत पहली बार नहीं की गई थी। इससे पहले 2009 में भी लड्डुओं में बदबू का मामला सामने आया था। उस दिन बने लगभग डेढ़ लाख लड्डुओं को नष्ट कर दिया गया था ताकि उन्हें खाकर कोई बीमार न पड़े। उस समय इन लडडुओं को खाने वाले भक्तों को उल्टियां होने लगी थीं। इसमें इस्तेमाल किए गए घी पर सवाल उठे थे।

तिरुपति बालाजी के लड्डू इन दिनों चर्चा में हैं। एक जांच में यह पाया गया है कि इन लड्डुओं में जानवरों की चर्बी मिलाई जाती थी। इस खुलासे के बाद से ही न केवल आंध्र प्रदेश की राजनीति गरमाई हुई है, बल्कि दुनिया भर में करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को भी ठेस पहुंची है। इस बीच आपको ये बता दें कि शिरडी साईं बाबा के मंदिर में मिलने वाले प्रसाद में भी एक बार मिलावट का आरोप लग चुका है।रिपोर्ट के अनुसार प्रसाद के बारे में एक भक्त ने कहा था, हम यहां कई बार आ चुके हैं, लेकिन प्रसाद के रूप में इस बार जो लड्डू मिला है, उसका स्वाद कुछ कड़वाहट भरा है। एक और भक्त ने कहा कि यह आस्था का मामला है, इसलिए कोई भी कुछ कहने से संकोच कर रहा है। लेकिन स्वाद में कसैलापन काफी दिनों से महसूस किया जा रहा था। शिकायत के बाद फूड एंड अडल्टरेशन विभाग ने साईं

बाबा मंदिर की रसोई पर छापा मारा था। एफडीए टीम ने मंदिर में प्रसाद तैयार करने के लिए इस्तेमाल किए गए घी के नमूने एकत्र किए, जिन्हें परीक्षण के लिए भेजा गया। जांच में क्या निकला ये तो पता नहीं चल सका। लेकिन तब लगभग साढ़े चार लाख लड्डुओं को नष्ट किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

अलगाववादियों ने न्यूजीलैंड के पायलट को किया रिहा, 19 महीनों से बना रखा था बंधक

वेलिंगटन, एजेंसी। अशांत पापुआ क्षेत्र में एक साल से अधिक समय से बंधक बनाए गए न्यूजीलैंड के पायलट को अलगाववादी विद्रोहियों से छोड़ दिया। इंडोनेशिया के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। बंधक बनाए पायलट की पहचान फिलिप मार्क्स मेहरटेंस के तौर पर की गई है, जो क्राइस्टचर्च के रहने वाले हैं। वह इंडोनेशिया एविएशन कंपनी सुसी एयर के लिए काम करते हैं। अलगाववादी विद्रोहियों ने शनिवार को फिलिप को कार्टेन्ज पीस टास्कफोर्स को सौंप दिया। बता दें कि कार्टेन्ज पीस टास्कफोर्स इंडोनेशिया की सुरक्षा बल है। टास्कफोर्स के प्रवक्ता बायु सुसेनो ने कहा, वह हमें अच्छे स्वास्थ्य के साथ मिले। उन्हें स्वास्थ्य जांच के लिए तिमिका ले जाया गया है। फ्री पापुआ मूवमेंट के एक क्षेत्रीय कमांडर एगियानस कोगोया के नेतृत्व वाली स्वतंत्रता सेनानियों ने पिछले साल सात फरवरी को फिलिप मेहरटेंस का अपहरण किया था। कोगोया ने पहले कहा कि जब तक इंडोनेशिया सरकार पापुआ को एक संप्रभु देश बनने की अनुमति नहीं देती, तब तक वे फिलिप को रिहा नहीं करेंगे। हालांकि, इस बीच वेस्ट पापुआ लिबरेशन आर्मी ने कहा था कि वे फिलिप को एक साल तक बंधक बनाने के बाद रिहा कर देंगे।

अमेरिका में भारतीय दूतावास के अधिकारी का शव मिला

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में भारतीय दूतावास के एक अधिकारी का शव मिला है। न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट में बताया गया है कि अधिकारी का शव भारतीय मिशन के परिसर में ही बरामद हुआ है। भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को बताया कि 18 सितंबर की शाम एक भारतीय अधिकारी की मौत हो गई है। एजेंसियां परिवार के सदस्यों के साथ संपर्क में है। अधिकारी के शव को जल्द से जल्द भारत वापस भेजा जाएगा। स्थानीय पुलिस और सीक्रेट सर्विस घटना की जांच कर रही हैं। पुलिस ने जांच में आत्महत्या के एंगल को भी शामिल किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पुलिस ने कहा कि यह सुसाइड का मामला लग रहा है और इसकी जांच की जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि शुरुआती जांच में ऐसा लगता है कि शख्स ने खुद को फांसी लगा ली थी। दूतावास ने परिवार की गोपनीयता के मद्देनजर मृतक अधिकारी से जुड़ी जानकारियां सार्वजनिक नहीं की हैं। तुर्की में राजदूत वीरेंदर पॉल का निधन हुआ था इसी साल जून में तुर्की में भारतीय राजदूत वीरेंदर पॉल की मौत हो गई थी। वे लंबे समय से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे।

तंजानिया में हैजा फैलने से तीन लोगों की मौत, 84 बीमार

दार एस सलाम, एजेंसी। तंजानिया के काटावी क्षेत्र में तांगानिका झील के तट पर हैजा फैलने से तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं इसमें 84 अन्य लोगों के बीमार होने की खबर है। कटावी क्षेत्रीय चिकित्सा अधिकारी रामधनी करुमे ने शिन्हुआ को बताया कि दो सप्ताह पहले इस क्षेत्र में प्रकोप की पहली बार सूचना मिलने के बाद 84 हैजा रोगियों में से 19 को आइसोलेटेड हेल्थ सेंटर में भर्ती कराया गया, जबकि अन्य मरीजों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने बताया कि सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र कलेमा और इकोला वॉर्ड हैं, क्योंकि यहां के कई निवासी तांगानिका झील का दूषित पानी पी रहे हैं। काटावी क्षेत्रीय आयुक्त म्वानाम्वुआ मृन्दोको ने सभी जिला आयुक्तों को निर्देश दिया है कि वे अपने क्षेत्रों में स्वच्छता के सख्त उपायों को लागू करें, ताकि इस बीमारी को और फैलने से रोका जा सके।

बेरूत पर इजरायली हवाई हमले में 12 लोगों की मौत, हिजबुल्लाह ने की जवाबी कार्रवाई

बेरूत, एजेंसी। हिजबुल्लाह ने पश्चिमी गैलिली में 30 से अधिक बस्तियों और उत्तरी इजरायल में एक प्रमुख खुफिया अड्डे पर 100 से अधिक रॉकेट दागे हैं। बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर इजरायली हवाई हमले का बदला लेने के लिए हिजबुल्लाह ने यह कार्रवाई की है, जिसमें कम से कम 12 लोग मारे गए और 66 अन्य घायल हो गए थे। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने शुक्रवार को लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से बताया, इजरायली हमले में बेरूत के उपनगर दहिएह के जमौस इलाके में एक इमारत को निशाना बनाया गया। बचाव दलों का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। स्थानीय टीवी फुटेज में घनी आबादी वाले इलाके में भारी नुकसान और अराजकता दिखाई गई। लेबनानी मीडिया ने बताया कि हमले में हिजबुल्लाह जिहाद काउंसिल के सदस्य इब्राहिम अकील को निशाना बनाया गया। इजरायल रक्षा बलों के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने कहा कि ऑपरेशन के दौरान लेबनानी समूह के अन्य वरिष्ठ कमांडरों के साथ अकील भी मारा गया। हालांकि, हिजबुल्लाह ने अकील की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

देश के लिए खतरनाक टेलीग्राम, यूक्रेन ने कर दिया बैन, बोला- रूस जासूसी कर रहा

कीव, एजेंसी। रूस से युद्ध के बीच यूक्रेन की सरकार ने टेलीग्राम पर बैन लगा दिया है। यूक्रेन का कहना है कि सरकारी और सेना के अधिकारियों का टेलीग्राम इस्तेमाल करना खतरनाक साबित हो सकता है क्योंकि रूस इसका इस्तेमाल जासूसी क लिए कर सकता है। शुक्रवार को यूक्रेन के नेशनल सिक्योरिटी ऐंड डिफेंस काउंसिल ने इसका ऐलान किया है। इससे पहले यूक्रेन की जीयूआर मिलिटरी इंटेलिजेंस एजेंसी ने बताया था कि किस तरह रूस इस प्लेटफॉर्म में सेंध लगाने में सक्षम है।

यूक्रेन का कहना है कि टेलीग्राम पर बैन राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। बता दें कि यूक्रेन और रूस दोनों ही देशों में टेलीग्राम का धड़ल्ले से इस्तेमाल होता है। दोनों देशों में युद्ध छिड़ने के बाद टेलीग्राम पर ही कई जानकारियां साझा की जाती थीं। जेलेंस्की ने कहा कि जिन अधिकारियों को अपनी ड्यूटी के लिए टेलिग्राम का इस्तेमाल करना है उनपर प्रतिबंध लागू नहीं होंगे।

बता दें कि रूस में जन्मे पावेल दुरोव ही टेलीग्राम के संस्थापक हैं। 2014 में वह रूस छोड़कर दुबई चले गए ते। बीते महीने अवैध सामग्री पब्लिश करने के आरोप में टेलीग्राम के दुरोव को फ्रांस में गिरफ्तार कर लिया गया है। यूक्रेन की काउंसिल का कहना है कि रूस टेलीग्राम के संदेशों को पकड़ सकता है। यहां तक कि डिलीट किए गए मेसेज भी वह पढ़ सकता है। जेलेंस्की ने कहा, मैंने हमेशा ही अभिव्यक्तिक की

आजादी का समर्थन किया है लेकिन टेलीग्राम का इस्तेमाल इससे जुड़ा नहीं है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है।

टेलीग्राम ने सफाई देते हुए कहा है कि इस प्लेटफॉर्म ने कभी किसी भी देश को डेटा नहीं दिया है। वहीं जो सामग्री डिलीट कर दी जाती है उसे वापस नहीं लाया जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन में 33000 टेलीग्राम चैनल ऐक्टिव हैं। वहीं यूक्रेन की मीडिया के मुताबिक 75 प्रतिशत लोग कम्युनिकेशन के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं।

राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने रूस, चीन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ईरान के नागरिकों सहित 42 कानूनी संस्थाओं और छह व्यक्तियों के विरुद्ध प्रतिबंध लगाने वाले आदेशों पर हस्ताक्षर किए है। दस्तावेजों के अनुसार प्रतिबंध रूस, चीन, यूएई और ईरान में पंजीकृत परिवहन, विनिर्माण और व्यापार, निर्माण, निवेश और औद्योगिक कंपनियों पर लागू होते हैं। इनमें रूसी जहाज प्रकाश संयंत्र मायाक और कज़ान स्टेट गनपाउडर प्लांट शामिल हैं। रूस, चीन और ईरान के कई नागरिकों पर भी प्रतिबंध लगाए गए।

ये प्रतिबंध दस साल के लिए लगाए गए हैं और इनमें यूक्रेन के क्षेत्र वाले समुद्र, उसके आंतरिक जल और बंदरगाहों में विदेशी जहाजों और सैन्य जहाजों के प्रवेश पर प्रतिबंध या प्रतिबंध की परिकल्पना की गई है। विमानों के लिए यूक्रेन के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करना या उतरना भी प्रतिबंधित है।

प्रतिबंधों में परिसंपत्तियों को अवरुद्ध करना, व्यापार संचालन पर प्रतिबंध (पूर्ण समाप्ति), यूक्रेन के बाहर पूंजी के बहिर्वाह को रोकना, प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण पर प्रतिबंध, बौद्धिक संपदा अधिकार, आर्थिक और वित्तीय दायित्वों की पूर्ति का निलंबन एवं भूमि भूखंडों का अधिग्रहण शामिल है।

यूएस सीक्रेट सर्विस ने माना ट्रंप पर हमले के वक्त हुई लापरवाही, सतर्क नहीं थे जवान

वॉशिंगटन, एजेंसी। जुलाई में पेंसिल्वेनिया में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर रैली के दौरान जानलेवा हमला हुआ था। इस हमले में ट्रंप की सुरक्षा में लगे यूएस सीक्रेट सर्विस के जवानों पर लापरवाही के आरोप लगे थे। अब यूएस सीक्रेट सर्विस ने भी माना है कि उनकी तरफ से संचार संबंधी कमियां थीं और जवानों की सतर्कता में भी कमी थी। शुक्रवार को यूएस सीक्रेट सर्विस के कार्यवाहक निदेशक रोनाल्ड रोवे ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि कुछ एजेंट्स की तरफ से लापरवाही बरती गई, जिसके कारण सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन हुआ। उन्होंने कहा कि एजेंसी के कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। गौरतलब है कि 13 जुलाई को पेंसिल्वेनिया की रैली में ट्रंप पर हुए हमले के कारण सीक्रेट सर्विस की खूब आलोचना हुई थी और इसके चलते सीक्रेट सर्विस की पूर्व निदेशक को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था। आलोचकों ने इस बात पर चिंता जताई थी कि संदिग्ध हमलावर रैली स्थल पर सामने की छत पर कैसे पहुंच गया, जबकि वहां से सीधे सामने ही ट्रंप भाषण दे रहे हैं। और इसके पूर्व निदेशक को इस्तीफा देना पड़ा। आलोचकों ने इस बात पर चिंता जताई कि संदिग्ध व्यक्ति पास की छत तक कैसे पहुंच पाया, जहां से पूर्व राष्ट्रपति सीधे भाषण दे रहे थे। रैली में हुई गोलीबारी में डोनाल्ड ट्रंप के कान को छूते हुए गोली निकल गई थी और पूर्व राष्ट्रपति बाल-बाल बच गए थे। हालांकि गोलीबारी में रैली में शामिल एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और दो अन्य लोग घायल हो गए थे। अब सीक्रेट सर्विस ने कहा है कि वह सुरक्षा चूक के लिए शर्मिंदा है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप पर एक बार फिर हमले की कोशिश हुई।

चीन की ब्यूटीफुल गवर्नर को 13 साल की सजा और लाखों का जुर्माना, 58 पुरुषों के साथ संबंध बनाने का आरोप

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिणी-पश्चिम चीन की एक महिला को कदाचार के लिए 13 साल की सजा और एक मिलियन युआन

यानी की 183000 अमेरिकी डॉलर (15276922.35 रुपये) जुर्माना लगाया गया है। महिला की खूबसूरती के कारण उसे ब्लूटीफुल गवर्नर (सुंदर राज्पाल) के नाम से भी जाना जाता है। उसकी पहचान झोंग यांग के तौर पर की गई है। 52 वर्षीय झोंग पर 58 पुरुषों के साथ यौन संबंध बनाने का आरोप है। वह पुरुषों से इसके लिए रिश्वत के तौर पर 60 मिलियन युआन लेती थी। 58 पुरुषों के साथ यौन संबंध बनाने का आरोप झोंग गुइझोउ प्रांत के कियानान में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के गवर्नर और उप सचिव के रूप में काम कर चुकी है। उन्होंने इतिहास में स्नातक करने के बाद 1994 में पार्टी में शामिल हो गई थी। झोंग को फल और कृषि संघ शुरू करने के लिए जाना जाता है. जिसका उद्देश्य किसानों और जरूरतमंद बुजुर्गों की सहायता करना था। जनवरी में गुइझोऊ रेडियो और टेलीविजन पर प्रसारित एक डॉक्यूमेंटरी में झोंग के विवादों का खुलासा हुआ। इसमें बताया गया कि झोंक रिश्वत लेती है। इसके साथ ही उन्होंने अपने पद का इस्तेमाल अपनी पसंदीदा कंपनियों को आकर्षक अनुबंध दिलाने के लिए भी किया। इसमें एक व्यापारी के लिए हाई-टेक औद्योगिक संपत्ति में 170,000 वर्ग मीटर भूमि के विकास को मंजूरी देना शामिल था। बताया जा रहा है कि झोंग का व्यापारी के साथ घनिष्ठ संबंध था। व्यापारी ने बाद में जमीन को रियल एस्टेट विकास के लिए परिवर्तित कर दिया था, जिससे झोंग को बहुत लाभ हुआ। डॉक्यूमेंटरी में एक व्यापारी ने बताया था कि झोंग उन कंपनियों को नजरअंदाज करती है, जिसके साथ उनका व्यक्तिगत संबंध न हो। पिछले साल अप्रैल में गुइझोउ प्रांतीय अनुशासन निरीक्षण और पर्यवेक्षण समिति ने बताया कि झोंग पर गंभीर अनुशासनात्मक और कानूनी उल्लंघन का संदेह है। इसके साथ ही झोंग पर 58 पुरुषों के साथ यौन संबंध बनाने का भी आरोप है। वह ओवर टाइम और बिजनेस ट्रिप के बहाने पुरुषों के साथ समय बिताती थी। अप्रैल 2023 में उसे गिरफ्तार किया गया था।

कस्तूरी बिलाव-चूहों और रैकून कुत्तों से फैला कोरोना; अमेरिकी वैज्ञानिकों ने अध्ययन में किया खुलासा

वाशिंगटन, एजेंसी। कोरोना वायरस जंगल से इंसानों के बीच कस्तूरी बिलाव, चूहे और रैकून कुत्तों के जरिये पहुंचा। चार साल बाद यह खुलासा अमेरिका के वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन में किया है जिसमें उन्होंने चीन के वुहान बाजार से एकत्रित नमूनों की जांच की गई है। इसे बाजार में नवंबर 2019 में सबसे पहले कोरोना वायरस का पता चला। मेडिकल जर्नल सेल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, चीन के वुहान स्थित हुआनान सीफूड होलसेल मार्केट में सबसे पहले कोरोना वायरस का पता चला। इसके बाद साल 2020 में यहां अलग अलग दुकानों से 800 नमूने लिए गए। इन नमूनों की जीनोम सीक्वेंसिंग और अन्य जांच की गई। इस दौरान वैज्ञानिकों ने पाया कि एक दुकान के कोरोना पॉजिटिव सभी नमूनों में वन्यजीव डीएनए दिखाई दिया। जब इस डीएनए का विश्लेषण शुरू हुआ तब इन विशिष्ट प्रजातियों के बारे में पता चला जिनके जरिए कोरोना वायरस जंगल से इंसानों तक पहुंचा।

अमेरिका के एरिजोना विश्वविद्यालय में पारिस्थितिकी और विकासवादी जीव विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रो. माइकल वोरोबे ने बताया कि जिनसे कोरोना बाजार तक पहुंचा उनमें से एक कस्तूरी बिलाव संभावित है जिसे गंधमार्जार या गंधबिलाव भी कहते हैं। इसी तरह बांस चूहा भी है जो राइजोमिनी जनजाति का एकमात्र जीवित प्रतिनिधि है।

स्टार हेल्थ के 3.1 करोड़ ग्राहकों का डाटा चोरी, दो चैटबॉट से लीक हुआ, रॉयटर ने जुलाई तक किया डाउनलोड

वाशिंगटन, एजेंसी। स्वास्थ्य बीमा कंपनी स्टार हेल्थ के 3.1 करोड़ ग्राहकों का डाटा चोरी हो गया है। यह डाटा टेलीग्राम पर चैटबॉट के जरिये उपलब्ध है। ग्राहकों के डाटा में नाम, पता, ईमेल, मोबाइल नंबर, टैक्स विवरण, टेस्ट रिपोर्ट और बीमारी के इलाज के साथ-साथ मेडिकल रिपोर्ट जैसी जानकारियां भी हैं। टेलीग्राम के मासिक 90 करोड़ यूजर्स हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, स्टार हेल्थ के ग्राहकों की निजी जानकारी बिक्री के लिए उपलब्ध थी। चैटबॉट का उपयोग कर बीमा पॉलिसी व दावों के दस्तावेज को डाउनलोड किया जा सकता है। स्टार हेल्थ ने कहा, अधिकारियों को कथित अवैध डाटा लीक की सूचना दी गई है। शुरुआती जांच से पता चला है कि डाटा से कोई समझौता नहीं हुआ है और यह सुरक्षित है। ब्रिटेन के सुरक्षा शोधकर्ता जेसन पार्कर ने कहा, स्टार हेल्थ चैटबॉट्स में एक स्वागत संदेश है। यह 6 अगस्त से चालू है। पार्कर ने कहा, उन्होंने एक ऑनलाइन हैकर फोरम पर संभावित खरीदार के रूप में खुद को पेश किया था। वहां जेनजेन नाम के एक यूजर ने कहा कि उसने चैटबॉट बनाए हैं और उसके पास स्टार हेल्थ के 3.1 करोड़ से अधिक ग्राहकों से संबंधित 7.24 टेराबाइट्स डाटा है।

रॉयटर ने डाउनलोड किया जुलाई तक का डाटा : समाचार एजेंसी रॉयटर ने जुलाई, 2024 तक के कुछ कागजातों के साथ 1,500 से अधिक फाइलें डाउनलोड कीं। इसमें कहा गया कि अगर यह चैटबॉट हटा दिया जाता है

तो कुछ घंटों में दूसरा चैटबॉट उपलब्ध होगा। स्टार हेल्थ ने 14 अगस्त को शेयर बाजारों को बताया था कि वह कुछ दावों के डाटा के उल्लंघन की जांच कर रही है। एक अज्ञात व्यक्ति ने 13 अगस्त को उसके कुछ डाटा तक पहुंच होने का दावा किया था। उसके बाद बीमा कंपनी ने इसकी जानकारी साइबर अपराध विभाग को दी। दो चैटबॉट से लीक हुआ डाटा स्टार हेल्थ का डाटा दो चैटबॉट दे रहे हैं। एक पीडीएफ में और दूसरा यूजर्स को एक क्लिक पर पॉलिसी नंबर, नाम और अन्य जानकारी देता है। केरल के एक अस्पताल में पॉलिसीधारक संदीप टीएस की बेटी के इलाज से संबंधित रिकॉर्ड हैकरों ने जारी किया है। इसमें सभी जानकारी के साथ 15,000 रुपये का बिल भी है। संदीप ने कहा, यह सब उन्हीं का डाटा है। चैटबॉट ने पिछले साल पॉलिसीधारक पंकज सुभाष मल्होत्रा का भी दावा लीक किया था। डाटा चैटबॉट के जरिये टुकड़ों में मुफ्त उपलब्ध हैं। हालांकि थोक डाटा के लिए पार्कर से पैसों की मांग की गई।

हसीना के करीबी मंत्री के नाम विदेशों में अरबों की प्रॉपर्टी देश छोड़कर हैं फरार, जांच में जुटी है यूनुस सरकार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के पूर्व मंत्री के द्वारा विदेशों में संपत्ति बनाने का मामला सामने आया है। इस नेता का नाम सैफुजमान चौधरी है, जो पूर्व लैंड मिनिस्टर हैं और शेख हसीना के करीबी बताए जाते हैं। चौधरी ने लंदन, दुबई और न्यूयॉर्क में लग्जरी रियल एस्टेट पर 500 मिलियन डॉलर खर्च किए हैं। हालांकि बांग्लादेश के टैक्स रिटर्न्स में उन्होंने इसका ब्यौरा नहीं दिया है। अल जजीरा की रिपोर्ट में इस बात का खुलासा किया गया है। अल जजीरा की आई-यूनिट ने लंदन में अंडरकवर रहते हुए इसके बारे में पता लगाया।

इसके मुताबिक 55 साल के चौधरी चिटगांव के एक ताकतवर परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने लंदन में बड़े पैमाने पर संपत्ति बनाई। जबकि बांग्लादेश के नियमों के मुताबिक कोई भी नागरिक एक साल में 12 हजार डॉलर से ज्यादा की रकम देश से बाहर नहीं ले जा सकता। बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट में वकील शाहदीन मलिक ने अल जजीरा को बताया कि देश के संविधान में इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि नेताओं को अपनी विदेश की संपत्ति के बारे में

जानकारी देना अनिवार्य है।

बांग्लादेश में अधिकारियों ने चौधरी के बैंक खाते सीज कर दिए हैं। अब लंदन में उनकी संपत्तियों की जांच की जा रही है। चौधरी बांग्लादेश के पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के करीबी बताए जाते हैं। शेख हसीना को हाल ही में देश छोड़कर भागना पड़ा था। इसके बाद देश में अंतरिम सरकार का गठन किया गया है। इसके बाद से बांग्लादेश में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच चल रही है। अल जजीरा के इन्वेस्टिगेशन में पता चला है कि साल 2016 में ही चौधरी ब्रिटेन में 360 घर खरीदने में सक्षम थे। लंदन में उनकी संपत्ति बनाने में कई एजेंटों ने भी भूमिका निभाई है।

लंदन के एस्टेट एजेंट रिपन महमूद ने अल जजीरा के अंडरकवर पत्रकारों को लंदन के सलाहकारों के एक नेटवर्क से मिलवाया। इसने चौधरी को अपनी संपत्ति साम्राज्य बनाने में मदद की। पहले, चार्ल्स डगलस सॉलिसिटर एलएलपी, जिसने 100 से अधिक प्रॉपर्टी लोन के री-फाइनेंसिंग में उनके लिए काम किया। दूसरे परेश राजा, जिन्होंने अपनी कंपनी मार्केट फाइनेंशियल सॉल्यूशंस और अपने अन्य व्यवसायों के माध्यम से सैकड़ों लोन बनाए। इसके अलावा सिंगापुर के बैंक डीबीएस के राहुल मर्डे थी इसमें हैं, जिसने मंत्री को पैसे उधार भी दिए।

चौधरी ने अल जजीरा को बताया कि उनकी विदेशी संपत्तियों को खरीदने के लिए इस्तेमाल किए गए धन बांग्लादेश के बाहर वैध बिजनेस से आते हैं। उनके मुताबिक वह बरसों से इन बिजनेस के मालिक हैं। चौधरी अगस्त में बांग्लादेश से भाग गए थे। उनका दावा है कि वर्तमान सरकार हसीना सरकार के लोगों के पीछे पड़ी हुई है।

उत्तर कोरिया ने फिर भेजा कचरे से भरा गुब्बारा, सोल के सरकारी कॉम्प्लेक्स में गिरा

सोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया का कचरे से भरा गुब्बारा शुक्रवार को दूसरी बार सोल के एक सरकारी परिसर में गिरा। यह गुब्बारा मेन एंट्री गेट के सामने पार्किंग में पाया गया। समाचार एजेंसी योनहाप के अनुसार, यह घरेलू कचरे से भरा था। इसमें हरे रंग का एक प्लास्टिक का टुकड़ा भी शामिल था, जिस पर प्योंगयांग का पता दर्ज था। सैन्य अधिकारियों के पहुंचने से पहले ही फायर फाइटर्स और पुलिस अधिकारियों ने क्षेत्र की घेराबंदी कर दी थी। माना जा रहा है कि यह गुब्बारा दक्षिण कोरिया की तरफ से सीमा पार प्रोपेगेंडा सामग्री भेजे जाने के जवाब में प्योंगयांग की प्रतिक्रिया है। इससे पहले दक्षिण कोरियाई सेना ने 8 सितंबर को प्योंगयांग की ओर से कचरे से भरे गुब्बारों के आने की सूचना दी थी। सोल के मुताबिक यह लगातार पांचवां दिन था, जब उत्तर कोरिया ने गुब्बारे भेजे। संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने कहा कि उत्तर कोरिया ने शनिवार देर रात 200 गुब्बारे उड़ाने के कुछ ही घंटों बाद सुबह करीब 9 बजे अपना गुब्बारा अभियान फिर से शुरू कर दिया। जेसीएस ने कहा, लोगों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए, सेना दृढ़ता और शांतिपूर्वक जवाब देगी। गुब्बारों के प्रक्षेपण के जवाब में, दक्षिण कोरिया की सेना 21 जुलाई से सीमा पर लाउडस्पीकरों के माध्यम से रोज प्योंगयांग विरोधी प्रचार प्रसारित कर रही है। सुरक्षा चिंताओं का हवाला

देते हुए सोल ने गुब्बारों को सीधे मार गिराने से परहेज किया है। मई के अंत से, उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया की तरफ से सीमा पार भेजे गए प्योंगयांग विरोधी पर्चों के जवाब में कचरे से भरे हजारों गुब्बारे उड़ाने शुरू कर दिए थे। इस बीच सोल ने कहा है कि उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल खतरों को देखते हुए दक्षिण कोरिया और अमेरिका अगले सप्ताह नियमित रक्षा वार्ता करेंगे। इस दौरान सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा होगी। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 25वीं कोरिया-अमेरिका एकीकृत रक्षा वार्ता सोमवार और मंगलवार को सोल में आयोजित की जाएगी। मंत्रालय के मुताबिक, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रीय रक्षा नीति उप मंत्री चो चांग-राए और पूर्वी एशिया के लिए अमेरिकी उप सहायक रक्षा सचिव अंका ली वार्ता का नेतृत्व करेंगे।

बांग्लादेश: बैतुल मुकर्रम राष्ट्रीय मस्जिद में झड़प में 50 से अधिक लोग घायल

ढाका, एजेंसी। राष्ट्रीय मस्जिद बैतुल मुकर्रम में पूर्व और वर्तमान ख़तीब (जुम्मा की नमाज़ का उपदेश देने वाला व्यक्ति) के अनुयायियों के बीच झड़प हुई, जिसमें कम से कम 50 लोग घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वर्तमान खतीब मुफ्ती वलीउर रहमान खान जुमे की नमाज से पहले प्रवचन दे रहे थे, तभी पूर्व खतीब मुफ्ती रूहुल अमीन अपने अनुयायियों के साथ मस्जिद में पहुंचे और माइक्रोफोन छीनने का प्रयास किया। इसके कारण खतीब वलीउर और रूहुल के अनुयायियों के बीच टकराव हुआ, जिसके परिणामस्वरूप शारीरिक हमला हुआ जिसमें कई लोग घायल हो गए।

एक समय ऐसा आया जब दोनों पक्षों के अनुयायियों ने मस्जिद के ग्राउंड फ्लोर पर मोर्चा संभाल लिया, जहां इमाम नमाज अदा करते हैं। उस समय वे मस्जिद से जूते और जूतों के डिब्बे सहित विभिन्न वस्तुओं को एक-दूसरे पर फेंक रहे थे और मस्जिद के अंदर तोड़फोड़ कर रहे थे। दोनों समूहों के बीच झड़प के दौरान कई नमाजी अराजकता से परेशान थे जिससे कुछ लोग मस्जिद छोड़कर चले गए। करीब आधे घंटे के बाद पूर्व खतीब मुफ्ती रूहुल अमीन अपने अनुयायियों के साथ विरोध के बीच मस्जिद से चले गए। बाद में कानून लागू करने वालों की मदद से जब माहौल शांत हुआ तो लोग फिर से नमाज अदा करने के लिए मस्जिद में दाखिल हुए। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के मोतीझील डिवीजन के डिप्टी कमिश्नर शहरियार अली ने कहा कि मस्जिद के अंदर नए और पुराने खतीबों को लेकर कुछ समस्या थी लेकिन कानून प्रवर्तन एजेंसी के सदस्य मौके पर पहुंचे। जैसे ही नमाजी मस्जिद से बाहर निकल रहे थे एक समूह ने अवामी लीग विरोधी नारे लगाने शुरू कर दिए।

नमाजी मस्जिद के सामने सड़क पर इकट्ठा होने लगे, लेकिन बाद में सेना, पुलिस और रैपिड एक्शन बटालियन के जवानों ने उन्हें तितर-बितर कर दिया। 5 अगस्त को अवामी लीग सरकार के पतन के बाद भागे हुए खतीब रूहुल अमीन की वापसी ने स्थिति को और भड़का दिया।

बता दें बैतुल मुकर्रम राष्ट्रीय मस्जिद बांग्लादेश की राष्ट्रीय मस्जिद है, जो राजधानी ढाका के मध्य में स्थित है। इसका अद्वितीय वास्तुशिल्प डिजाइन और ऐतिहासिक महत्व इसे देश में एक प्रमुख मील का पत्थर और इस्लामी गतिविधियों का केंद्र बनाता है। मस्जिद का विचार 1950 के दशक के अंत में आया था। मस्जिद का निर्माण 1960 में तत्कालीन पाकिस्तानी सरकार के संरक्षण में शुरू हुआ था, क्योंकि 1971 में अपनी आजादी से पहले बांग्लादेश पाकिस्तान का हिस्सा था।

कानूनी दुरुपयोग से पुरुष हितों की अनदेखी

एक समाज के समावेशी विकास के लिए 'लैंगिक समानता' मूलभूत सिद्धांत है। दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह है कि लैंगिक समानता का तात्पर्य अक्सर केवल स्त्री अधिकारों से जोड़ा जाता है, जिससे पुरुषों के अधिकारों की अवहेलना स्वत- ही हो जाती है। लैंगिक समानता की वास्तविक परिभाषा बिना किसी लिंग भेद के सभी की समानता को प्रतिस्थापित करना है। स्तब्ध करने वाला सत्य यह है कि स्त्री द्वारा उच्चारित हर शब्द और आरोप को शब्दशः- स्वीकारने की प्रवृत्ति के चलते, बिना सत्यता परीक्षण के पुरुष को अपराधी घोषित कर दिया जाता है।

ऋतु सारस्वत

हाल ही में देश की शीर्ष अदालत ने वैवाहिक विवाद की सुनवाई के दौरान इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि आईपीसी की धारा 498ए और घरेलू हिंसा अधिनियम देश में सबसे अधिक दुरुपयोग किए जाने वाले कानूनों में से एक बन गए हैं। एक मामले की सुनवाई के दौरान न्यायाधीश बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कानून के दुरुपयोग की पेचीदगियों की जांच करते हुए इस बात पर अपनी चिंता व्यक्त की कि ये महिला सुरक्षा के लिए बने कानून किस प्रकार दुरुपयोग का शिकार हो रहे हैं। न्यायाधीश गवई ने कहा कि नागपुर में एक ऐसा मामला देखने को मिला जिसमें अमेरिका चले गए एक व्यक्ति को एक अधूरी शादी के लिए 50 लाख रुपये चुकाने पड़े, जबकि वे दोनों एक दिन भी साथ नहीं रहे। उन्होंने यह भी कहा कि 'खुले तौर पर घरेलू हिंसा अधिनियम और धारा 498ए सबसे ज्यादा दुरुपयोग किया जाने वाले प्रावधानों में से हैंज।' उनकी यह टिप्पणी उस भावना को व्यक्त करती है जो कि न केवल समाज के विभिन्न वर्गों, बल्कि देश के विभिन्न न्यायिक निकायों से भी प्रतिध्वनित हो रही है। उल्लेखनीय है कि 3 मई, 2024 को न्यायाधीश जे.वी. पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने 'प्रीति गुप्ता बनाम झारखंड राज्य' के मामले में कहा, 'हमने भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 85 और 86 पर गौर किया, ताकि पता लगाया जा सके कि क्या विधानमंडल ने इस न्यायालय के सुझावों पर गंभीरता से ध्यान दिया हैज (इसमें) आईपीसी की धारा 498ए का शब्दशः पुनरुत्पादन के अलावा कुछ नहीं है। एकमात्र अंतर यह है कि आईपीसी की धारा 498ए का स्पष्टीकरण अब एक अलग प्रावधान, यानी भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 86 के माध्यम से है।' शीर्ष अदालत का यह वक्तव्य उस असंतोष की अभिव्यक्ति है, जहां विधानमंडल से यह अपेक्षित था कि वह उस सिद्धांत पर अवश्य विचार करे जो यह प्रतिपादित करता है कि समाज स्थिर नहीं है और इसके सामाजिक एवं सांस्कृतिक मानदंड समय के प्रवाह के साथ-साथ परिवर्तित होते रहते हैं। इसीलिए, समाज को अनुशासित एवं निर्देशित करने वाली वैधानिक नियमावली भी उसी अनुरूप परिवर्तित होनी चाहिए, अन्यथा वह अपना औचित्य खो देती है। विगत दो दशकों में शीर्ष अदालत से लेकर देश की विभिन्न उच्च अदालतों ने इस मुद्दे को उठाया है कि महिलाओं के लिए बनाए गए सुरक्षात्मक प्रावधानों का उपयोग कभी-कभी हथियार के रूप में किया जा रहा है। परंतु इसके बावजूद इस ओर ध्यान न दिया जाना निराशाजनक तस्वीर पेश करता है। इसमें किंचित भी संदेह नहीं कि महिलाएं आज भी भावनात्मक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित होती हैं, परंतु इसका तात्पर्य यह कदापि नहीं है कि पुरुष 'अभेद्य सुरक्षा कवच' से घिरे हुए हर प्रताड़ना से मुक्त हैं। पुरुषों की पीड़ा की बात करना निश्चित ही स्वयं को नारीवादी विरोधी के रूप में उस कठघरे में खड़ा करना है, जिसमें महिला अधिकारों के शत्रु के रूप में चिन्हित किया जाएगा और उसकी आलोचना होगी। किंचित यह भय ही विधि निर्माताओं के समक्ष उपस्थित होता होगा।

एक समाज के समावेशी विकास के लिए 'लैंगिक समानता' मूलभूत सिद्धांत है। दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह है कि लैंगिक समानता का तात्पर्य अक्सर केवल स्त्री अधिकारों से जोड़ा जाता है, जिससे पुरुषों के अधिकारों की अवहेलना स्वत- ही हो जाती है। लैंगिक समानता की वास्तविक परिभाषा बिना किसी लिंग भेद के सभी की समानता को प्रतिस्थापित करना है। स्तब्ध करने वाला सत्य यह है कि स्त्री द्वारा उच्चारित हर शब्द और आरोप को शब्दश- स्वीकारने की प्रवृत्ति के चलते, बिना सत्यता परीक्षण के पुरुष को अपराधी घोषित कर दिया जाता है। जबकि दुनिया का कोई भी शोध यह सिद्ध नहीं कर पाया है कि पुरुष और स्त्री का जैविक अंतर भावनाओं के विभेद से भी जुड़ा हुआ है और न ही यह सिद्ध हुआ है कि स्त्री 'शत्रुताभाव', 'ईर्ष्या', 'द्वेष' और 'घृणा' जैसे भावों से पूर्णतया मुक्त है। 'द फॉल्स्ली एक्यूज्ड कैन नेवर गेट देयर लाइव्स बेक' किम्बर्ली जे. बेंजामीर का अध्ययन बताता है कि झूठे आरोपों का गहरा मनोवैज्ञानिक एवं भावनात्मक आघात होता है और इसके परिणाम आजीवन परिलक्षित होते हैं, भले ही आरोपों के परिणामस्वरूप दोष सिद्ध न हुए हों। मिथ्या रूप से आरोपित किए जाने वाले व्यक्ति समाज में अपनी गरिमा और विश्वसनीयता की भावना खो सकते हैं, जिससे उनके जीवन की आशा और उद्देश्य लुप्त हो जाते हैं। वहीं मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी का शोध 'द इम्पैक्ट ऑफ़ बीइंग रोंगली एक्यूज्ड - विक्टिम वॉयसेस' झूठे आरोपों के पीड़ितों के साक्षात्कारों का दस्तावेजीकरण करता है, जो कि कानूनी रूप से निर्दोष थे। यह शोध बताता है कि झूठे आरोपों के चलते उन्होंने अपनी प्रतिष्ठा, आत्मसम्मान, दोस्त और पेशेवर जिंदगी को खो दिया।

यदि पुरुषों के खिलाफ़ घरेलू हिंसा के मुद्दे की बात करें, तो यह केवल एक या एक से ज्यादा देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरी दुनिया में व्याप्त है।

ब्रिटेन के ऑफिस फॉर नेशनल स्टैटिस्टिक्स द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के मुताबिक (2022-2023), घरेलू हिंसा के 3 पीड़ितों में से एक पुरुष है। मैनकाइंड इनिशिएटिव द्वारा किए गए सर्वेक्षण के अनुसार, जो घरेलू हिंसा के पुरुष पीड़ितों पर ध्यान केंद्रित करने वाला एक ब्रिटिश संगठन है, बताता है कि पुलिस द्वारा दर्ज किए गए 25 प्रतिशत मामलों में पुरुष पीड़ित शामिल हैं। भूटान में, 2023 में रिपोर्ट किए गए 788 मामलों में से 69 में पुरुष पीड़ितों ने सहायता के लिए मदद मांगी, और हर बीतते साल के साथ यह संख्या बढ़ती ही जा रही है।

अगर अमेरिका में घरेलू हिंसा (जिसे अंतरंग साथी हिंसा या आईपीवी के रूप में भी जाना जाता है) की दर की बात करें, तो भी नेशनल इंटिमेट पार्टनर एंड सेक्सुअल वायलेंस सर्वे द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों (2016-2017) के अनुसार, अमेरिका में लगभग 44 प्रतिशत पुरुष अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार घरेलू हिंसा के शिकार हुए हैं। ध्यान रहे कि घरेलू हिंसा के अंतर्गत शारीरिक एवं मौखिक हिंसा दोनों का ही उल्लेख किया गया है। क्योंकि भारतीय समाज पुरुष पर घरेलू

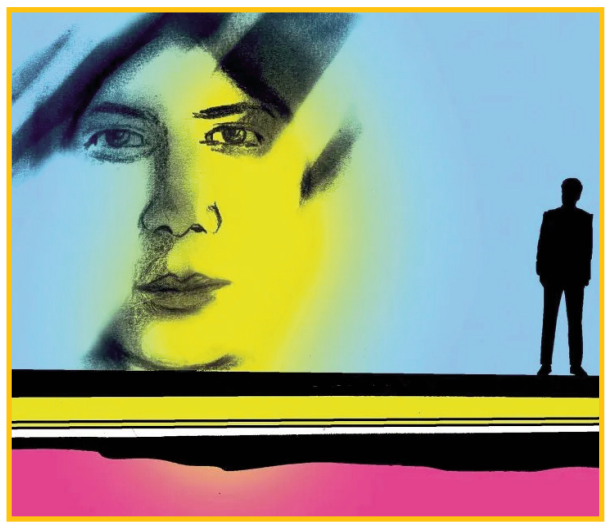

हिंसा को सदैव से अस्वीकार करता आया है, इसलिए इस संबंध में बहुत कम शोध हुए हैं। किसी 'सत्य' को नकारने का तात्पर्य यह कदापि नहीं कि वह 'व्याप्त' नहीं है।

'प्रेवलन्स एंड रिस्क फैक्टर्स ऑफ़ फिजिकल वायलेंस अगेंस्ट हसबैंड - एविडेंस फॉम इंडिया' 2023, कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा प्रकाशित शोध बताता है कि प्रत्यक्ष रूप से अर्थ अर्जन करने वाली महिलाएं अपने पतियों को शारीरिक और मौखिक रूप से प्रताड़ित करती हैं। संभवतः इस शोध को पितृसत्तात्मक पोषक एवं मनगढ़ंत कहा जा सकता है, लेकिन ठीक इसी तरह का शोध 2019 में 'इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन' में प्रकाशित हुआ, जो हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्रों पर केंद्रित था। इस शोध ने खुलासा किया कि 52.4 प्रतिशत पुरुषों ने लिंग आधारित हिंसा का अनुभव किया, जिसमें से आम वैवाहिक भावनात्मक हिंसा (51.5 प्रतिशत) थी।

हमें यह स्वीकार करना होगा कि लैंगिक समानता की चर्चा तब तक संभव नहीं है, जब तक पुरुषों को 'अधिकार संपन्न' मानकर उनकी अवेहलना की जाती रहेगी।

लेखिका समाजशास्त्री एवं स्तंभकार हैं।

संपादकीय

निशाने पर बच्चे

हाल ही के दिनों में बच्चों व महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को लेकर देशव्यापी चिंता कई मंचों से उजागर हुई है। इन अपराधों के प्रति पुलिस व एजेंसियों की संवेदनहीनता पर अदालतें गाहे-बगाहे सख्त टिप्पणियां कर चुकी हैं। कुछ समय पहले जिला अदालतों के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने भी महिलाओं व बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों पर गंभीर चिंता जतायी थी। साथ ही त्वरित न्याय से समाधान की बात कही थी। देश के राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी के वे आंकड़े विचलित करते हैं, जिसमें कहा गया था कि साल 2022 में भारत में हर घंटे में औसतन 18 बच्चे अपराधों के शिकार बने। वहीं पिछले एक दशक में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 75 फीसदी वृद्धि की बात एनसीआरबी ने स्वीकारी है। बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों की गंभीरता को इस बात से समझा जा सकता है कि वर्ष 2023 में बीते वर्ष की तुलना में जहां अपराधों में कमी दर्ज की गई, वहीं दूसरी ओर बच्चों के प्रति होने वाले अपराधों में नौ फीसदी की वृद्धि एनसीआरबी के आंकड़ों में दर्ज की गई। यह हमारे नीति-नियंताओं के लिये गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए कि देश में बच्चों के खिलाफ अपराधों में क्यों लगातार वृद्धि हो रही है। विडंबना यह है कि एनसीआरबी केवल उन्हीं अपराध के आंकड़ों का उल्लेख करता है, जो थानों में दर्ज होते हैं। दरअसल, बच्चों के खिलाफ बड़ी संख्या में होने वाले अपराध अक्सर दर्ज ही नहीं होते। कानूनी जानकारी न होने और थानों व कचहरियों के चक्कर काटने से बचने के लिये अभिभावक कई मामलों में रिपोर्ट दर्ज ही नहीं करवाते। कुछ मामलों को पुलिस दर्ज करने से बचती है। ऐसे में बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों की वास्तविक स्थिति का आकलन करना सहज नहीं होगा। बहरहाल, ये बढ़ते अपराध हमारे समाज में गहरी होती संवेदनहीनता और समाज में नैतिक मूल्यों के पराभव की ओर भी इशारा करती है। दरअसल, बच्चों के खिलाफ अपराध केवल हमारे सामाजिक व्यवस्था में ही नहीं बढ़े, बल्कि इसका दायरा वर्चुअल दुनिया में भी तेजी से बढ़ा है। बच्चों के खिलाफ साइबर अपराधों में खासी तेजी आई है। चौंकाने वाली बात यह है कि वर्ष 2022 में बच्चों के विरुद्ध पहले साल के मुकाबले बत्तीस फीसदी अधिक साइबर अपराध दर्ज हुए। जो निरंतर गंभीर होती स्थिति को दर्शाते हैं। हाल के दिनों में स्कूल-कालेजों में ऑनलाइन पढ़ाई का दायरा बढ़ने और मोबाइल की सहज उपलब्धता से बच्चों की इस क्षेत्र में सक्रियता बढ़ी है। सस्ते इंटरनेट व मोबाइल फोन ने बच्चों के लिये सोशल मीडिया व गेमिंग की दुनिया में पहुंच आसान बनायी है। लेकिन बच्चे इंटरनेट की आपराधिक दुनिया से अनभिज्ञ हैं। उन्हें इन खतरों से बचाव का प्रशिक्षण न तो स्कूल में दिया जाता है और न ही पुरानी पीढ़ी के अभिभावक दे पाए। जिसके चलते ही वे साइबर अपराधियों का आसान शिकार बनते हैं। दरअसल, कोरोना महामारी तो चली गई, लेकिन इस संकट के चलते उपजी परिस्थितियों ने बच्चों के ऑनलाइन रहने का टाइम बढ़ा दिया है। अभिभावक यदि बच्चों को अधिक मोबाइल के इस्तेमाल पर टोकते हैं तो वे स्कूल के काम का तर्क देकर गेमिंग व सोशल मीडिया की गतिविधियों में लिप्त रहते हैं। यह समय का बड़ा संकट है कि बच्चे न तो अभिभावकों से संस्कार पा रहे हैं और न ही शिक्षकों से। उन्हें मोबाइल पर संस्कार वे अनाम व अज्ञात कंपनियां दे रही हैं, जिनके लिये बच्चे महज उपभोक्ता और पैसा कमाने का जरिया हैं। आज इंटरनेट के खुले और छिपे स्वरूप पर अपराधों की एक ऐसी समांतर दुनिया संचालित है, जिन्हें दुनिया की ताकतवर सरकारें भी नियंत्रित नहीं कर पा रही हैं।

विश्व इतिहास की अद्भुत वीरता- हाइफा हीरो मेजर दलपत सिंह

हाइफा का युद्ध 23 सितम्बर 1918 को प्रथम विश्व युद्ध के दौरान लड़ा गया। जहां भारतीय सैनिकों ने ब्रिटिश भारतीय सेना के रूप में तुर्की, ऑस्ट्रिया और उनके जर्मन सहयोगियों के खिलाफ लड़ा था। तुर्की, ऑस्ट्रिया और जर्मनी की सेना के पास आधुनिक तोप, बम, बंदूक टैंक व हथियार आदि थे। दूसरी तरफ जोधपुर लांसर के भारतीय सैनिक, जिनका नेतृत्व मेजर दलपतसिंह कर रहे थे। भारतीय सैनिकों के पास शस्त्रों के नाम पर केवल तलवार और भाले ही थे।

लेखाराम बिश्नोई

लेखक व विचारक

मेजर दलपतसिंह देवली बलिदान दिवस पर विशेष

हाइफा हीरो मेजर दलपतसिंह का जन्म 26 जनवरी 1892 को देवली हाउस में हुआ। मेजर दलपतसिंह अपने पिता हरिसिंह के एकमात्र पुत्र थे। आपके पिता हरिसिंह सेना में कर्नल रहे और पोलो के जाने-माने खिलाड़ी थे। दलपतसिंह ने उच्च शिक्षा इस्टबन कॉलेज इंग्लैंड से की। मात्र 18 वर्ष की आयु में पिता की तरह दलपतसिंह भी सेना में भर्ती हो गए। आपकी नियुक्ति जोधपुर लांसर में हुई थी।

दलपतसिंह एक पराक्रमी, बहादुर, निष्ठावान, शौर्य के प्रतीक भारतीय सैनिक थे। जिनका नाम हाइफा के युद्ध में उनकी वीरता के कारण इतिहास में अमर हो गया है।

हाइफा का युद्ध 23 सितम्बर 1918 को प्रथम विश्व युद्ध के दौरान लड़ा गया। जहां भारतीय सैनिकों ने ब्रिटिश भारतीय सेना के रूप में तुर्की, ऑस्ट्रिया और उनके जर्मन सहयोगियों के खिलाफ लड़ा था। तुर्की, ऑस्ट्रिया और जर्मनी की सेना के पास आधुनिक तोप, बम, बंदूक टैंक व हथियार आदि थे। दूसरी तरफ जोधपुर लांसर के भारतीय सैनिक, जिनका नेतृत्व मेजर दलपतसिंह कर रहे थे। भारतीय सैनिकों के पास शस्त्रों

के नाम पर केवल तलवार और भाले ही थे। भारत के इन घुड़सवार व पैदल सैनिकों ने केवल तलवार और भाले के दम पर आधुनिक शस्त्रों से सुसज्जित दुश्मन सेना का न सिर्फ सामना किया, बल्कि 400 वर्षों से अधिक समय से तुर्की के अधीन रहे, इजराइल के हाइफा शहर को मात्र डेढ़ घंटे में तुर्की और जर्मन सेना को परास्त कर आजाद करा दिया। युद्ध के मैदान में तुर्की और जर्मन सेना के 1350 सैनिक और 35 अधिकारियों को बंदी बना लिया गया। इस युद्ध में भारत के 44 सैनिकों का बलिदान हुआ। 26 वर्षीय मेजर दलपतसिंह की वीरता, शौर्य, युद्ध -कौशलता, बहादुरी और पराक्रम देखकर अंग्रेज सेनाधिकारी दंग रह गए। दुश्मन की गोलियों और बारूद से छलनी होने के बावजूद मेजर दलपतसिंह ने जीत सुनिश्चित करने के बाद ही सांसें छोड़ी।

23 सितंबर 1918 को हाइफा को आजाद कराया था और इसी दिन मेजर दलपतसिंह का बलिदान हुआ था। इसलिए इस दिन को 'हाइफा' दिवस के रूप में मनाया जाता है। युद्ध में मेजर दलपतसिंह की महत्वपूर्ण नेतृत्व

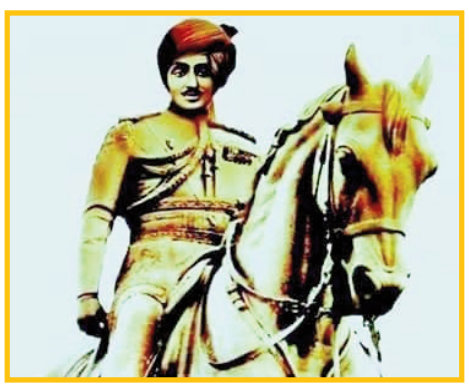

क्षमता के कारण उन्हें मरणोपरांत 'हीरो ऑफ हाइफा' के सम्मान और कई अन्य युद्ध पदक से सम्मानित किया गया। यह एकमात्र ऐसा युद्ध था जिसमें भाले और तलवारों से सुसज्जित घुड़सवार और पैदल सैनिकों ने अत्याधुनिक शस्त्रों से सुसज्जित सेना को हराया। विश्व इतिहास की यह अंतिम घटना है। जहां भाले और तलवारों से यह सुसज्जित घुड़सवार और पैदल सैनिकों ने कोई प्रमुख लड़ाई अत्याधुनिक हथियारों से सुसज्जित सेना के सामने लड़ी और जीती। मेजर दलपतसिंह के प्रति आज भी इजरायल के लोग कृतज्ञता रखते हैं। वर्ष 2012 से मेजर दलपत सिंह की बहादुरी के किस्से इजराइल के स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया गया। नई दिल्ली स्थित त्रिमूर्ति भवन में भी उनकी प्रतिमा स्थापित की गई। मेजर दलपतसिंह का बलिदान विश्व मंच पर भारतीय सैनिकों की श्रेष्ठता, बहादुरी, साहस,समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का जीता -जाता उदाहरण आने वाले अनंतकाल तक सभी के लिए प्रेरणा देता रहेगा।

(चिंतन-मनन)

मौन का तन मन की सुन्दरता के लिये महत्व

प्रत्येक मनुष्य सुन्दर एवं स्वस्थ्य रहना चाहता है। सुन्दरता एवं स्वस्थ्य का राज मौन मै छिपा हुआ है। सामान्यत- चुप रहना मौन है, प्राचीन पुराण बचन के साथ ईष्या, डाह, छल, कपट और हिन्सा को कम करना मोन होता है। मनोवैज्ञानिक 'फ्रायड' का कहना है कि जीवन अन्तर्द्वद्वी श्रृंखलाओं से मिल कर बना है। अन्तर्द्वद्व दो या दो से अधिक विरोधी इच्छाओं का एक साथ उत्पन्न होना है। ये असीम इच्छायें पूर्ण न होने पर तनाव नामक बीमारी देती है। जिससे आज के अधिकांस व्यक्ती ग्रासित है। अन्तर्द्वद्व में फंसे व्यक्ति की स्थिति कई विपरीत दिशाओं से आने वाली नदियों के पानी के साथ मिलने से भॅवर बनती है कि जैसी हो जाती है। भॅवर में फसे व्यक्ति को न बैठे शांति मिलती है न लेटे, न भूख लगती है, न प्यास, न ही ध्यान अध्ययन में मन लगता है। याददास्त क्षमता कम हो जाती है। हार्ट अटेक, आत्म हत्या भी इसी कारण करते हैं। हर मनुष्य अन्नत शक्तिमान है। यह शक्ति मन एवं पाचों इन्द्रियों के कार्यो में खर्च होती है। मन एवं इन्द्रियों को बस मे करने का कार्य 'मौन' करता है। मौन रहने से मनुष्य के अन्दर की छुपी हुई शक्ति उदय हो जाती है। आज के कल युग में इनद्रिय विषय-भोगों की सामग्री में वहुत वृद्धि हूई है जिसे अपनाने पर इक्छा शक्ति में अधिक बृद्धि हो रही है। जो टेन्सन को जन्म देती है। अत- आज टेन्सन बड़ी बीमारी हो गई है। जो भी व्यक्ति अधिक बोलते है उनके मुख में रहने वाला पाचक रस सूख जाता है। मानसिक सन्तुलन खो जाता है, हृदय गति तेज हो जाती है। मान इन सब परेशानियों से बचने की राम वाण औषधी है। दिन में एक घण्टा मौन रहने पर दो घण्टे की कार्य क्षमता में बृद्धि होती है। रक्त प्रवाह सामान्य स्वस्थ्य होता है, तन, मन, सुन्दर बनता है। अत- संयमित वोल मान को जीवन में अपनाना चाहिये।

विचार मंथन

खाता ना बही- सरकार जो कहे सो सही

(लेखक- सनत जैन)

सात साल में 07 राज्यों की सरकारों द्वारा 1935 आरोपियों की संपत्तियों पर बुलडोजर चलाकर तुरंत न्याय करते हुए उन्हें सजा दे दी गई। यह सजा सरकार ने आरोप के आधार पर तुरंत दान महा कल्याण की तर्ज पर दी है। तुरंत न्याय करके सरकार ने अपनी ताकत का एहसास करा दिया है। सरकार के इस न्याय से अपराधियों में खौफ है। यह कहा जा रहा है। इस खौफ के बाद भी अपराध कम होने के स्थान पर बढ़ते क्यों जा रहे हैं, यह चिंता का विषय है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अपराधियों में खौफ पैदा करने और तुरंत सजा देने के लिए अघोषित और असंवैधानिक बुलडोजर कानून लागू किया था। आरोप के आधार पर बुलडोजर चला कर अपराधी के घर, मकान और संपत्ति को नष्ट करने का सिलसिला उत्तर प्रदेश सरकार ने शुरू किया था। सरकार ने बुलडोजर से आरोपी और उसके परिवार की संपत्ति नष्ट कर दी। उस संपत्ति को अवैध निर्माण या सरकारी जमीन पर कब्जा बताकर आनन-फानन में बुलडोजर और पुलिस बल की सहायता से तोड़ दिया गया। उत्तर प्रदेश में पिछले 7 सालों में 1535 अवैध निर्माणों को बुलडोजर से तोड़ा गया है। इसके बाद मध्य प्रदेश में 259 निर्माण तोड़े गए हैं। तीसरे नंबर पर हरियाणा है, यहां पर 64 निर्माण बुलडोजर से तोडे गये। गुजरात में 55, राजस्थान में 10, दिल्ली में 10 और झारखंड में 2 इस प्रकार लगभग 1935 संपत्तियों को आरोप के आधार पर बुलडोजर से नष्ट किया गया है। इसमें सबसे बड़ी खास बात यह है की एक धर्म विशेष के लोगों की लगभग 90 फ़ीसदी संपत्तियों को आरोप के आधार पर तोड़ा गया। मध्य प्रदेश में 1 अपराधी की ऐसी संपत्ति को तोड़ा गया जिसे बनने में 7 साल लगे, करोड़ों रुपए से उसका निर्माण हुआ, जमीन का स्वामित्व भी था और नक्शा भी पास था। उसके बाद बुलडोजर कानून को लेकर न्यायालय की नींद खुली। अब इस मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने अगले आदेश तक बुलडोजर से इस तरह का न्याय रोक दिया है। अपराध किसी एक व्यक्ति ने किया, उसके ऊपर आरोप लगा। आरोप की सत्यता जांचे बिना आरोपी के परिवार की पूरी संपत्ति को तोड़ कर सारे परिवार को बेदखल करने का यह बुलडोजर कानून भारत में पिछले 7 साल से चल रहा था। इस कानून के कारण उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को देश भर में एक नई पहचान मिली। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट इस न्याय को होते हुए देख रही थी। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने अपनी आंखों पर काली पट्टी बांध रखी है। जो भारतीय संवैधानिक न्यायपालिका की संवेदनशीलता और निष्पक्षता का सबसे बड़ा प्रमाण है। सरकारों ने असंवैधानिक और गैर कानूनी तरीके से जिस तरह से बुलडोजर के माध्यम से आरोपियों की संपत्तियों को नेस्त-नाबूत किया है, वह भारतीय संविधान में प्रत्येक नागरिक के मूलभूत अधिकारों का स्पष्ट रूप से सरकार द्वारा हनन किया गया है। न्याय प्रक्रिया का पालन किए बिना सरकार के अधिकारियों ने न्यायपालिका के अधिकारों का उपयोग, प्रशासकीय अधिकारियों ने अवैधानिक तरीके से किया है। किसी भी मामले में न्यायिक प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। एक व्यक्ति के किए हुए अपराध की सजा उसके पूरे परिवार को दे दी गई। मीडिया में उसका प्रचार-प्रसार किया गया। ताकि अपराधी और अपराधों को लेकर लोगों में भय का वातावरण बने।

सारी न्यायिक प्रक्रिया को धता बता दिया गया। जिसकी संपत्ति को बुलडोजर से तोड़ा गया। उसको इतना समय भी नहीं दिया गया, कि वह अपना पक्ष सरकार और न्यायपालिका के पास रख सके। सरकार और उसके अधिकारियों ने अपनी सारी ताकत आरोपी की संपत्ति को ध्वस्त करने में लगा दी। परिवार और समाज में भय एवं दहशत का वातावरण बना दिया। उत्तर प्रदेश से बुलडोजर कानून शुरू हुआ था। धीरे-धीरे यह अन्य भाजपा शासित राज्यों में तेजी के साथ फैला। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहचान बुलडोजर बाबा के रूप में देश में बन गई। बुलडोजर की ख्याति विदेशों तक पहुंच गई। बुलडोजर की कार्रवाई एक धर्म विशेष के लोगों के खिलाफ किए जाने के आरोप लगे।

प्रशासकीय अधिकारी धर्म विशेष के आरोपियों पर बुलडोजर चलाकर तुरंत न्याय करने लगे। रामचरित मानस में गोस्वामी तुलसीदास जी ने लिखा है- समरथ को नहीं दोष गुसाईं।

सरकार और भगवान से ज्यादा समर्थवान कोई हो ही नहीं सकता है। भगवान और सरकार किसी की भी जान ले सकती है।

पितरों की आत्मा की शांति के लिए करें मात्र एक ही उपाय

आश्विन माह के प्रथम दिवस 17 सितंबर से श्राद्धपक्ष प्रारंभ हो गए जिन्हें 16 श्राद्ध कहा जाता है। इस दिन पितरों की शांति के लिए तर्पण और पिंडदान के अलावा कई तरह के अनुष्ठान किए जाते हैं। आओ जानते हैं कि कौनसा एकमात्र उपाय करने से पितरों को मिलेगी शंति और पितृदोष होगा दूर।

पितृ शांति के लिए उपाय

- नियमित रूप से 16 दिन तक गौ माता को घी मिली आटे की लोइयां बनाकर खिलाएं और उनकी पूजा और सेवा करें। हो सके तो हरा चारा खिलाएं।
- यदि उपरोक्त कार्य नहीं कर सकते हो तो श्राद्ध पक्ष में जब भी मंगलवार आए तो उस दिन हनुमान मंदिर जाकर के बजरंगबली को चोला चढ़ाएं और उनसे पितरों की मुक्ति एवं शांति की कामना करें।
- पंचबली कर्म – इसके अलावा आप चाहें तो पंचबलि कर्म भी कर सकते हो। किस भी श्राद्ध तिथि में पंचबलि कर्म अर्थात गाय, कौवे, कुत्ते, चींटी और देवताओं को अन्न जल अर्पित करना चाहिए। ब्राह्मण भोज कराना चाहिए।

शुभ मुहूर्त

श्राद्धपक्ष में यदि आप पितरों के निमित्त, तर्पण, पिंडदान, पूजा आदि अनुष्ठान कर रहे हैं तो शास्त्रों के अनुसार कुतुप काल मुहूर्त में यह कर्म करें। शास्त्रों के अनुसार कुतुप, रोहिणी, मध्याह्न और अभिजीत काल में श्राद्ध करना चाहिए। यही श्राद्ध करने का सही समय है।

क्या है कुतुप काल

कुतुप काल दिन के 11.30 बजे से 12.30 के मध्य का समय होता है। वैसे कुतुप बेला दिन का आठवां मुहुर्त होता है। पाप का शमन करने के कारण इसे कुतुप कहा गया है।

इन 5 स्थानों पर रखें श्राद्ध का आहार

'श्राद्ध' शब्द 'श्रद्धा' से बना है यानी अपने पूर्वजों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करना। श्राद्ध न करने वाले दलील देते हैं कि जो मर गया है उसके निमित्त कुछ करने का औचित्य नहीं है। यह ठीक नहीं है, क्योंकि संकल्प से किए गए कर्म जीव चाहे जिस योनि में हो, उस तक पहुंचता है तथा वह तृप्त होता है। यहां तक कि ब्रह्मा से लेकर घास तक तृप्त होते हैं। श्राद्ध करने का अधिकार सर्वप्रथम पुत्र को है तथा क्रमशः पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र, दौहित्र, पत्नी, भाई, भतीजा, पिता, माता, पुत्रवधू, बहन, भानजा तथा सगौत्री कहे गए हैं। इनमें ज्यादा या सभी करें तो भी फल प्राप्ति सभी को होती है।

श्राद्ध में ब्राह्मण भोजन तथा पंचबलि कर्म किया जाता है। पंचबलि में गाय, कुत्ता और कौवा के साथ 5 स्थानों पर भोजन रखा जाता है। वे हैं-

प्रथम गौ बलि- घर से पश्चिम दिशा में गाय को महुआ या पलाश के पत्तों पर गाय को भोजन कराया जाता है तथा गाय को 'गौभ्यो नमः' कहकर प्रणाम किया जाता है। गौ देशी होना चाहिए।

द्वितीय श्वान बलि- पत्ते पर भोजन रखकर कुत्ते को भोजन कराया जाता है।

तृतीय काक बलि- कौओं को छत पर या भूमि पर रखकर उनको बुलाया जाता है जिससे वे भोजन करें।

चतुर्थ देवादि बलि- पत्तों पर देवताओं को बलि घर में दी जाती है। बाद में वह उठाकर घर से बाहर रख दी जाती है।

पंचम पिपलिकादि बलि- चींटी, कीड़े-मकौड़ों आदि के लिए जहां उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है।

श्राद्ध करने का आदर्श समय : मध्याह्न 1130 से 1230 तक है जिसे 'कुतप बेला' कहा जाता है। इसका बड़ा महत्व है।

तरक्की में बाधा बन सकता है पितृ दोष

जान लें मुक्ति के उपाय

सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष एक महत्वपूर्ण अवधि मानी जाती है। पितरों के प्रसन्न होने पर जीवन में सुख-समृद्धि आती है लेकिन इसके विपरीत पितरों के नाराज होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याएं घेर लेती हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं कि पितृ दोष होने पर व्यक्ति को क्या संकेत मिलते हैं और इससे किस प्रकार मुक्ति पाई जा सकती है।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से पितृपक्ष की शुरुआत मानी जाती है, वहीं इसका समापन आश्विन माह की अमावस्या तिथि पर होता है। ऐसे में इस साल पितृपक्ष की शुरुआत 17 सितंबर 2024 से हो चुकी है, जिसका समापन बुधवार, 02 अक्टूबर को होगा। वहीं पितृ पक्ष की समाप्ति पर यानी 02 अक्टूबर को सूर्य ग्रहण लगने जा रहा है।

मिलते हैं ये संकेत

यदि आपके घर में पितृ दोष लग गया है तो व्यक्ति को कड़ी मेहनत के बाद भी सफलता हाथ नहीं लगती। पितृ दोष होने के कारण व्यक्ति की तरक्की भी रुक जाती है। साथ ही कारोबार में भी नुकसान होने लगता है। इतना ही नहीं एक के बाद एक दुर्घटनाएं होने लगती हैं। यह सभी संकेत पितृ दोष होने की तरफ इशारा करते हैं।

ऐसे पाएं मुक्ति

पितृदोष से मुक्ति के लिए पितृपक्ष की अवधि को सबसे उत्तम माना गया है। ऐसे में आपको पितृ दोष से मुक्ति के लिए पितृ पक्ष में उनका तर्पण, पिंडदान, और श्राद्ध कर्म जरूर करने चाहिए। इसके साथ ही पितरों के निमित्त भोजन और जल निकालें व पितरों का आह्वान कर, उन्हें ये सभी सामग्री अर्पित कर दें। इससे पितरों की नाराजगी दूर हो सकती है।

पितृ होंगे प्रसन्न

पितृ पक्ष में पीपल के पेड़ की पूजा जरूर करनी चाहिए। मान्यताओं के अनुसार, पीपल के वृक्ष में पितरों का वास होता है। ऐसे में पितृपक्ष के दौरान सूर्योदय से पहले उठकर स्नान आदि से निवृत हो जाएं। इसके बाद पीपल के पेड़ में जल अर्पित करें और सात बार परिक्रमा करें। साथ ही वृक्ष के नीचे काले तिल डालकर सरसों के तेल का दीपक जलाएं और पितरों का स्मरण करें। इस उपाय से पितृ प्रसन्न होते हैं।

इस दिशा में जलाएं दीपक

पितृपक्ष के दौरान आपको पितरों के नाम का दीया जरूर जलाना चाहिए। पौराणिक मान्यता के अनुसार, दक्षिण दिशा पितरों की दिशा मानी जाती है। ऐसे में पितृपक्ष में रोजाना इस दिशा में पितरों के नाम का दीपक जरूर जलाएं। साथ ही पितृ दोष से मुक्ति के लिए जल में काले तिल डालकर दक्षिण दिशा की ओर अर्घ्य देना चाहिए।

16 दिनों में न भूलें ये बातें पितरों का करें सम्मान

श्राद्ध पक्ष में पितरों के निमित्त घर में क्या कर्म करना चाहिए। यह जिज्ञासा सहजतावश अनेक व्यक्तियों में रहती है। यदि हम किसी भी तीर्थ स्थान, किसी भी पवित्र नदी, किसी भी पवित्र संगम पर नहीं जा पा रहे हैं तो निम्नांकित सरल एवं संक्षिप्त कर्म घर पर ही अवश्य कर लें :

- प्रतिदिन खीर (अर्थात दूध में पकाए हुए चावल में शक्कर एवं सुगंधित द्रव्य जैसे इलायची, केसर मिलाकर तैयार की गई सामग्री को खीर कहते हैं) बनाकर तैयार कर लें।
- गाय के गोबर के कंडे को जलाकर पूर्ण प्रज्वलित कर लें।
- उक्त प्रज्वलित कंडे को शुद्ध स्थान में किसी बर्तन में रखकर, खीर से तीन आहुति दे दें।
- इसके नजदीक (पास में ही) जल का भरा हुआ एक गिलास रख दें अथवा लोटा रख दें।
- इस द्रव्य को अगले दिन किसी वृक्ष की जड़ में डाल दें।
- भोजन में से सर्वप्रथम गाय, काले कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालकर उन्हें खिला दें। इसके पश्चात ब्राह्मण को भोजन कराएं फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें। पश्चात ब्राह्मणों को यथायोग्य दक्षिणा दें।

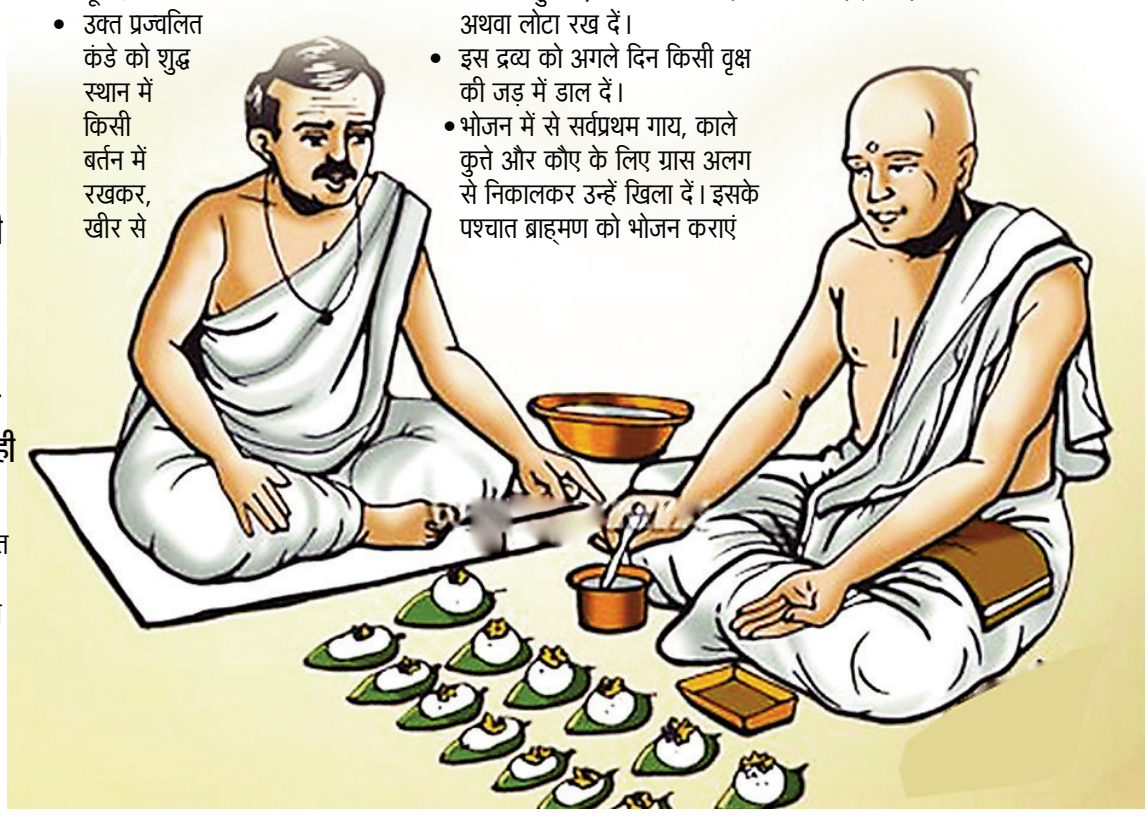

क्या हैं श्राद्धकर्ता व श्राद्धभोक्ता के लिए शास्त्र के निर्देश

श्राद्ध पक्ष में सभी सनातनधर्मी अपने पितरों के निमित्त श्राद्धकर्म करते हैं। सनातन धर्म के सभी अनुयायियों को अपने पितरों के निमित्त श्राद्ध अवश्य करना चाहिए। श्राद्ध के दो मुख्य अंग हैं- 1. पिण्डान 2. ब्राह्मण भोजन। हमारे शास्त्रों में श्राद्ध करने वाले (श्राद्धकर्ता) और श्राद्ध में भोजन करने वाले ब्राह्मण (श्राद्धभोक्ता) के लिए कुछ नियम निर्धारित किए हैं। आइए जानते हैं क्या हैं वे नियम-

श्राद्धकर्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धकर्ता को श्राद्ध वाले दिन निम्न नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए-

- पूर्णरूपेण सात्विक मनोदशा रखें।
- पान इत्यादि भक्षण ना करें।
- तेल मालिश, दाढ़ी, केशकर्तन इत्यादि ना कराए।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- किसी दूसरे के घर अथवा बाहर भोजन ना करें।

श्राद्धभोक्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धभोक्ता को श्राद्ध वाले दिन निम्न नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए-

- श्राद्धभोज करने के उपरांत उसी दिन दूसरे घर में दोबारा श्राद्धभोजन ना करें।
- लम्बी यात्रा ना करें।
- श्राद्धभोज वाले दिन दान ना दें।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- भोजन करते समय मौन रहकर भोजन करें।

श्राद्ध किस जगह करें और किस जगह नहीं करें

भाद्रपद की पूर्णिमा से अश्विन माह की अमावस्य तक श्राद्ध पक्ष चलता है जिसे पितृपक्ष भी कहते हैं। यदि आप इस दौरान अपने पितरों का श्राद्ध, तर्पण या पिंडदान करने जा रहे हैं तो यह भी जान लें कि शास्त्रों के अनुसार किस जगह श्राद्ध करना चाहिए और किस जगह पर नहीं। यदि अनुचित जगह पर श्राद्ध किया तो उसका फल नहीं मिलता है।

पितृपक्ष में कहां श्राद्ध करना चाहिए?

- **घर पर** : श्राद्ध आप अपने घर में भी कर सकते हैं। दक्षिण में मुख करके श्राद्ध किया जाता है।
- **तट पर** : किसी पवित्र नदी, नदी संगम, समुद्र में गिरने वाली नदियों के तट पर उचित समय में विधि-विधान से श्राद्ध किया जा सकता है।
- **बरगद के नीचे** : पवित्र वट-वृक्ष के नीचे भी श्राद्ध कर्म किया जा सकता है।
- **तीर्थ क्षेत्र** : शास्त्रों में उल्लेखित किसी तीर्थ क्षेत्र में भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **समुद्र तट पर** : समुद्र के तट पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **गोशाला** : जहां बैल न हों ऐसी गौशाला में भी उचित स्थान को गोबर से लिपकर शुद्ध करके श्राद्ध किया जा सकता है।
- **पर्वत पर** : पवित्र पर्वत शिखर पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **जंगल में** : वनों में उचित स्थान, स्वच्छ और मनोहर भूमि पर भी विधिपूर्वक श्राद्ध किया जा सकता है।

पितृपक्ष में कहां पर श्राद्ध नहीं करना चाहिए?

- **दूसरों की भूमि पर** : किसी की पर्सनल भूमि पर श्राद्ध नहीं करते हैं। भूमि सार्वजनिक होना चाहिए। अगर दूसरे के गृह या भूमि पर श्राद्ध करना पड़े तो किराया या दक्षिणा भूस्वामी को दे देना चाहिए।
- **अपवित्र भूमि** : किसी भी प्रकार से अपवित्र हो रही भूमि पर भी श्राद्ध नहीं करते हैं।
- **शमशान में** : किसी ऐसे शमशान में श्राद्ध नहीं कर सकते हैं जिसे तीर्थ नहीं माना जाता।
- **देव स्थान पर** : किसी मंदिर के अंदर या देवस्थान पर भी श्राद्ध कर्म नहीं करना चाहिए। इसके लिए पंडित से सलाह लें।

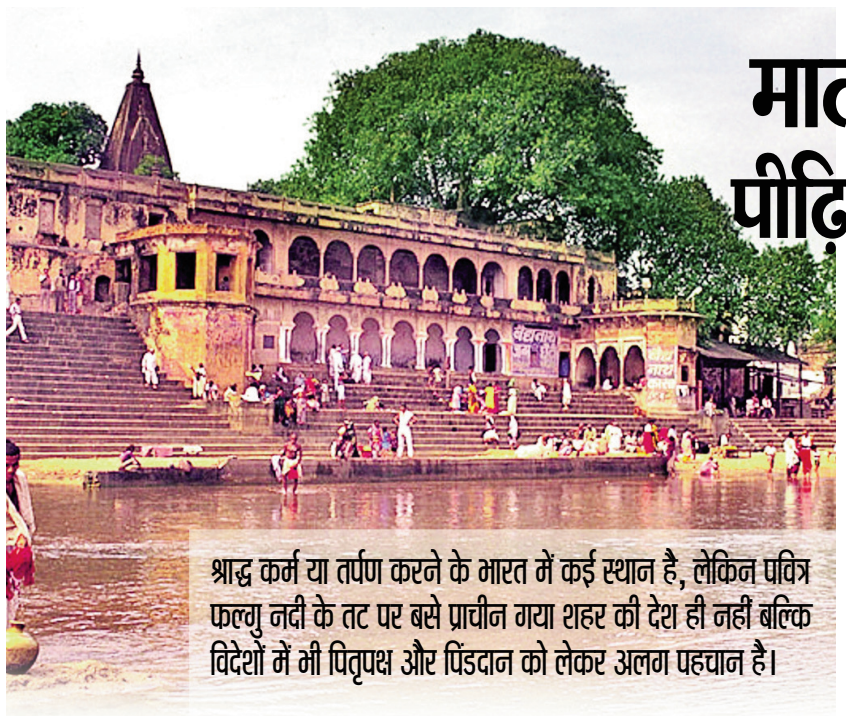

श्राद्ध कर्म या तर्पण करने के भारत में कई स्थान है, लेकिन पवित्र फल्गु नदी के तट पर बसे प्राचीन गया शहर की देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पितृपक्ष और पिंडदान को लेकर अलग पहचान है।

माता-पिता समेत सात पीढ़ियों का उद्धार करता है गयाजी में पिंडदान

पुराणों के अनुसार पितरों के लिए खास आश्विन माह के कृष्ण पक्ष या पितृपक्ष में मोक्षधाम गयाजी आकर पिंडदान एवं तर्पण करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और माता-पिता समेत सात पीढ़ियों का उद्धार होता है।

पितृ की श्रेणी में मृत पूर्वजों, माता, पिता, दादा, दादी, नाना, नानीसहित सभी पूर्वज शामिल होते हैं। व्यापक दृष्टि से मृत गुरू और आचार्य भी पितृ की श्रेणी में आते हैं। कहा जाता है कि गया में पहले विभिन्न नामों के 360 वेदियां थीं जहां पिंडदान किया जाता था। इनमें से अब 48 ही बची है। यहां की वेदियों में विष्णुपद मंदिर, फल्गु नदी के किनारे और अक्षयवट पर पिंडदान करना जरूरी माना जाता है। इसके अतिरिक्त वैतरणी, प्रेतशिला, सीताकुंड, नागकुंड, पांडुशिला, रामशिला, मंगलागौरी, कागबलि आदि भी पिंडदान के लिए प्रमुख है। यही कारण है कि देश में श्राद्ध के लिए 55 स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है जिसमें बिहार के गया का स्थान सर्वोपरि है। आओ जानते हैं इसके 5 कारण।

- गयासुर नामक असुर ने कठिन तपस्या कर ब्रह्माजी से वरदान मांगा था कि उसका शरीर देवताओं की तरह पवित्र हो जाए और लोग उसके दर्शन मात्र से पापमुक्त हो जाएं। इस वरदान के चलते लोग भयमुक्त होकर पाप करने लगे और गयासुर के दर्शन करके फिर से पापमुक्त हो जाते थे। इससे बचने के लिए यज्ञ करने के लिए देवताओं ने गयासुर से पवित्र स्थान की मांग की। गयासुर ने अपना शरीर देवताओं को यज्ञ के लिए दे दिया। जब गयासुर लेटा तो उसका शरीर पांच कोस में फैल गया। यही पांच कोस जगह आगे चलकर गया बना।
- देह दान देने के बाद गयासुर के मन से लोगों को पाप मुक्त करने की इच्छा नहीं गई और फिर उसने देवताओं से वरदान मांगा कि यह स्थान लोगों को तारने वाला बना रहे। तब से ही यह स्थान मृतकों के लिए श्राद्ध कर्म कर मुक्ति का स्थान बन गया।
- कहते हैं कि गया वह आता है जिसे अपने पितरों को मुक्त करना होता है। लोग यहां अपने पितरों या मृतकों की आत्मा को हमेशा के लिए छोड़कर चले जाता है। मतलब यह कि प्रथा के अनुसार सबसे पहले किसी भी मृतक तो तीसरे वर्ष श्राद्ध में लिया जाता है और फिर बाद में उसे हमेशा के लिए जब गया छोड़ दिया जाता है तो फिर उसके नाम का श्राद्ध नहीं किया जाता है। कहते हैं कि गया में श्राद्ध करने के उपरांत अंतिम श्राद्ध बदरीका क्षेत्र के 'ब्रह्मकपाली' में किया जाता है।
- गया क्षेत्र में भगवान विष्णु पितृदेवता के रूप में विराजमान रहते हैं। भगवान विष्णु मुक्ति देने के लिए 'गदाधर' के रूप में गया में स्थित हैं। गयासुर के विशुद्ध देह में ब्रह्मा, जनार्दन, शिव तथा प्रपितामह स्थित हैं। अतः पिंडदान के लिए गया सबसे उत्तम स्थान है।
- पुराणों अनुसार ब्रह्मज्ञान, गयाश्राद्ध, गोशाला में मृत्यु तथा कुरुक्षेत्र में निवास- ये चारों मुक्ति के साधन हैं- गया में श्राद्ध करने से ब्रह्महत्या, सुरापान, स्वर्ण की चोरी, गुरुपत्नीगमन और उक्त संसर्ग-जनित सभी महापातक नष्ट हो जाते हैं।

एफपीआई ने सितंबर में अब तक शेयर बाजार में किया 33,700 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अब तक भारतीय शेयर बाजारों में लगभग 33,700 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसकी मुख्य वजह अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती और भारतीय बाजार की मजबूती है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि यह इस साल अब तक एक महीने में भारतीय शेयरों में एफपीआई के निवेश का दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले मार्च में एफपीआई ने शेयर बाजार में 35,100 करोड़ रुपये का निवेश किया था। बाजार के जानकारों ने कहा कि आने वाले दिनों में एफपीआई की खरीदारी का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने 20 सितंबर तक शेयरों में 33,691 करोड़ रुपये का निवेश किया। इसके साथ ही इस साल अब तक शेयरों में उनका निवेश 76,572 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। जून से एफपीआई लगातार लिवाल रहे हैं। इससे पहले अप्रैल-मई में उन्होंने शेयरों से 34,252 करोड़ रुपये की राशि निकाली थी। सितंबर में अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में कटौती की उम्मीद के बीच एफपीआई लिवाल रहे हैं। 18 सितंबर को फेडरल रिजर्व द्वारा प्रमुख ब्याज दर में 0.50 प्रतिशत की कटौती के बाद एफपीआई ने और आक्रामक तरीके से लिवाली की है।

स्पाइसजेट ने क्यूआईपी को शेयर बेचकर जुटाए 3000 करोड़

- नया फंड एयरलाइन को बकाया चुकाने में मदद करेगा

नई दिल्ली। स्पाइसजेट ने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईपी) को शेयर बेचकर 3,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इससे कर्ज संकट से जूझ रही एयरलाइन को मदद मिली है। सोसाइटी जनरल- ओडीआई, गोल्डमैन सैक्स (सिंगापुर) पीटीई-ओडीआई, नोमुरा सिंगापुर लिमिटेड ओडीआई और डिस्कवरी ग्लोबल ऑपर्चुनिटी (मॉरीशस) लिमिटेड विदेशी संस्थाएं उन निवेशकों में शामिल हैं। इन्हें एयरलाइन के योग्य संस्थागत प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के तहत शेयर आवंटित किए गए हैं। एक नियामक फाइलिंग के अनुसार एयरलाइन की फंड जुटाने वाली समिति ने 20 सितंबर को 80 से अधिक क्यूआईपी प्रतिभागियों को 61.60 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर 48.70 करोड़ से अधिक शेयर आवंटित करने को मंजूरी दी। कुल मिलाकर 3,000 करोड़ रुपये की सिक्योरिटीज जारी की गई हैं। शनिवार को बीएसई को दी गई फाइलिंग में कहा गया है कि इश्यू में इक्विटी शेयरों के आवंटन के बाद कंपनी की पेडअप इक्विटी शेयर कैपिटल 7,94,67,27,170 रुपये से बढ़कर 12,81,68,57,030 रुपये हो गई है, जिसमें 1,28,16,85,703 इक्विटी शेयर शामिल हैं। 19 वर्षों से उड़ान भर रही स्पाइसजेट कई चुनौतियों का सामना कर रही है और नया फंड जुटाने से एयरलाइन को विभिन्न बकाया चुकाने में मदद मिलेगी। इस पैसे का उपयोग विमान और इंजन लीज पर देने वालों, इंजीनियरिंग वेंडर्स और फाइनेंसर्स सहित लेनदारों की देनदारियों के निपटान के लिए किया जाएगा। पांच आवंटियों को क्यूआईपी में पेश किए गए शेयरों में से प्रत्येक को पांच प्रतिशत से अधिक प्राप्त हुआ है। इससे पहले, सूत्रों ने कहा था कि स्पाइसजेट के प्रमोटर अजय सिंह एयरलाइन में 10 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बेच सकते हैं। इश्यू के बाद शेयरहोल्डिंग पैटर्न में आए बदलाव के बारे में बीएसई को कुछ समय बताया जाएगा। इस फंडिंग से स्पाइसजेट को निकट भविष्य में मदद मिलेगी।

लेनदेन शुल्क लगा तो 75 प्रतिशत उपयोगकर्ता यूपीआई बंद कर देंगे: सर्वे

- सर्वे में 308 जिलों से 42,000 प्रतिक्रियाएं मिली

नई दिल्ली ।

यूपीआई सेवा पर यदि लेनदेन शुल्क लगाया जाता है, तो 75 प्रतिशत उपयोगकर्ता इसका उपयोग करना बंद कर देंगे। हाल ही में जारी किए गए एक सर्वेक्षण में यह निष्कर्ष निकाला गया है। सर्वेक्षण के अनुसार 38 प्रतिशत उपयोगकर्ता अपना 50 प्रतिशत भुगतान लेनदेन डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड या किसी अन्य प्रकार के डिजिटल माध्यम के बजाय यूपीआई के जरिये करते हैं। सर्वे कहता है कि सिर्फ 22 प्रतिशत यूपीआई उपयोगकर्ता भुगतान पर लेनदेन शुल्क का बोझ उठाने को तैयार हैं। वहीं 75 प्रतिशत लोगों ने कहा कि अगर लेनदेन शुल्क लगाया जाता है, तो वे यूपीआई का उपयोग करना बंद कर देंगे। यह सर्वे तीन व्यापक क्षेत्रों पर किया गया है। इसमें 308 जिलों से 42,000 प्रतिक्रियाएं मिली हैं। हालांकि प्रत्येक प्रत्येक प्रश्न पर उत्तरों की संख्या अलग-अलग थी। यूपीआई पर लेनदेन शुल्क से संबंधित प्रश्न को लेकर 15,598 प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुईं। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने 2023-24 में इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लेन-देन की मात्रा में रिकॉर्ड 57 प्रतिशत और मूल्य में 44 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। पहली बार किसी वित्त वर्ष में यूपीआई लेन-देन 100 अरब को पार कर गया है। यह 2023-24 में 131 अरब रहा, जबकि 2022-23 में यह 84 अरब था। रिपोर्ट में कहा गया है कि मूल्य के लिहाज से यह 1,39,100 अरब रुपये से बढ़कर 1,99,890 अरब रुपये पर पहुंच गया है। सर्वे के अनुसार 37 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने मूल्य के लिहाज से अपने कुल भुगतान के 50 प्रतिशत से अधिक के लिए यूपीआई लेन-देन खातों को साझा किया। सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है कि यूपीआई तेजी से 10 में से चार उपभोक्ताओं के भुगतान का अभिन्न अंग बन रहा है। इसलिए किसी भी तरह का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष लेनदेन शुल्क लगाए जाने का कड़ा विरोध हो रहा है। लोकल सर्किल्स इस सर्वेक्षण के निष्कर्षों को वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ आगे बढ़ाएगा, ताकि किसी भी एमडीआर शुल्क की अनुमति देने से पहले यूपीआई उपयोगकर्ता की नब्ज को ध्यान में रखा जा सके। यह सर्वे 15 जुलाई से 20 सितंबर के बीच ऑनलाइन आयोजित किया गया था।

रिलायंस फाउंडेशन महिलाओं की डिजिटल भागीदारी बढ़ाने वित्तीय सहायता करेगा

मुंबई । रिलायंस फाउंडेशन ने यह घोषणा की है कि वह अमेरिका के यूएसएआईडी और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) के साथ मिलकर वीमेन इन द डिजिटल इकॉनामी फंड (डब्लूआईडीईएफ) के तहत 10 मिलियन यूएस डॉलर की वित्तीय सहायता देगा। इस पहल का उद्देश्य भारत में महिलाओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था में सशक्त बनाना और जेंडर डिजिटल डिवाइड को कम करना है। रिलायंस फाउंडेशन की निदेशक ईशा अंबानी ने कहा कि डब्लूआईडीईएफ वैश्विक सहयोग का एक ऐतिहासिक कदम है और हम इस पहल का हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रहे हैं। हम महिलाओं की आजीविका, आर्थिक सुरक्षा और तकनीक के माध्यम से सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यूएसएआईडी-इंडिया की एक्टिंग मिशन डायरेक्टर डॉ. अलेक्जेंड्रिया ह्यूर्टा ने इस साझेदारी को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका की यह साझेदारी लैंगिक डिजिटल अंतर को समाप्त करने में एक अहम कदम है। हम रिलायंस फाउंडेशन के साथ मिलकर लाखों महिलाओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था का लाभ पहुंचाने और उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में काम कर रहे हैं।

सैमसंग ने भारत में अगले फ्लैगशिप गैलेक्सी टैबलेट के लिए प्री-रिजर्व की शुरुआत की

गुरुग्राम । सैमसंग, जो भारत का सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड है, ने आज अपने नए फ्लैगशिप गैलेक्सी टैबलेट के लिए प्री-रिजर्व शुरू करने की घोषणा की है। ग्राहक आज से ही Samsung.com, सैमसंग इंडिया स्मार्ट कैफे, Amazon.in, Flipkart.com और देशभर में सैमसंग के अधिकृत रिटेल स्टोर्स पर इस टैबलेट को प्री-रिजर्व कर सकते हैं, ताकि उन्हें इसे जल्दी पाने का फायदा मिल सके। ग्राहक सिर्फ 1000 रुपये की टोकन राशि देकर नए गैलेक्सी टैबलेट को प्री-रिजर्व कर सकते हैं। जो लोग इस प्री-रिजर्व का विकल्प चुनेंगे, उन्हें 3499 रुपये तक के फायदे मिलेंगे।

सैमसंग के फ्लैगशिप टैबलेट्स में बेहतरीन इनोवेशन शामिल हैं, जैसे इंटेलिजेंट परफॉर्मेंस ऑप्टिमाइजेशन, उन्नत क्रिएटिव टूल्स, और ऐसे फीचर्स जो आपकी प्रोडक्टिविटी और क्रिएटिविटी को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हैं। यह नया गैलेक्सी टैबलेट सैमसंग की इनोवेशन की विरासत को और आगे बढ़ाते हुए मल्टी-टास्किंग के लिए एक परफेक्ट साथी बनेगा, जिससे आपकी प्रोडक्टिविटी और भी बेहतर होगी।

वैश्विक रुख, विदेशी निवेशकों की गतिविधियां तय करेगी शेयर बाजार की दिशा: विश्लेषक

रुपये की चाल और ब्रेंट क्रूड की कीमतों में उतार-चढ़ाव से भी बाजार की दिशा प्रभावित होगी

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह घरेलू मोर्चे पर किसी प्रमुख घटनाक्रम के अभाव में घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि मासिक डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान की वजह से इस सप्ताह बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा प्रमुख ब्याज दरों में 0.50 प्रतिशत की कटौती के बाद पिछले सप्ताह स्थानीय शेयर बाजारों में रिकॉर्ड तेजी देखने को मिली। बाजार के जानकारों ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती का उभरते बाजारों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है और भारत वैश्विक निवेशकों के बीच पसंदीदा गंतव्य बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि सप्ताह के दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने आक्रामक लिवाली की। अकेले शुक्रवार को ही एफआईआई ने भारतीय शेयर बाजारों में 14,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह बाजार को दिशा देने वाला कोई बड़ा संकेतक नहीं है। हालांकि, अमेरिका के वृहद आर्थिक आंकड़े बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। एफआईआई प्रवाह भारतीय शेयर बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण कारक बना रहेगा, साथ ही घरेलू संस्थागत प्रवाह पर भी सभी की निगाह रहेगी। हालांकि, बाजार फिलहाल भू-राजनीतिक जोखिमों से प्रभावित नहीं दिख रहा है, लेकिन यह आगे बाजार के लिए बड़ा खतरा पैदा कर सकता है। डेरिवेटिव निपटान की वजह से बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। बाजार के एक अन्य विश्लेषक कहते हैं कि बाजार धीरे-धीरे ऊपर चढ़ रहा है। हमें उम्मीद है कि मजबूत एफआईआई प्रवाह, स्वस्थ घरेलू वृहद कारक और अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी के बारे में घटती चिंता के कारण इस सप्ताह भी इसकी सकारात्मक रफ्तार जारी रहेगी। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल और वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमतों में उतार-चढ़ाव से भी बाजार की दिशा प्रभावित होगी। उन्होंने कहा हालांकि फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की प्रमुख घटना पीछे रह गई है, लेकिन आगे भी बाजार की दिशा के लिए सभी का ध्यान अमेरिका पर रहेगा। इसके अलावा विदेशी कोषों के प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर भी निवेशकों की निगाह रहेगी।

चीन में एक पूरी तरह से ऑटोमेटिक हायड्रोजन वाली ट्रेन विश्व भर के निर्माताओं की एक प्रदर्शनी में पेश की गयी।

अडानी पोर्ट्स का मार्केट कैप बढ़कर 3.10 लाख करोड़ हुआ

नई दिल्ली । ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन के शेयरों पर बुलिश दिखाई दे रही है। शुक्रवार को ये शेयर 2.16 फीसदी की तेजी के साथ 1438 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। शेयरों में आई तेजी की वजह से कंपनी का मार्केट कैप अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। अडानी पोर्ट्स एंड इकोनॉमिक जोन का मार्केट कैप बढ़कर 3.10 लाख करोड़ रुपये हो गया। आपको बता दें कि ये स्टॉक अभी भी अपने 52 वीक के हाई से करीब 200 रुपये पीछे है। शेयर का 52 हफ्तों का हाई 1607 रुपये है। ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने कंपनी के शेयरों पर भरोसा जताया है। ब्रोकरेज ने इसे बाय रेटिंग दी है। मोतीलाल ओसवाल ने इसे 1850 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है जो इसके 52 हफ्तों के हाई से कहीं ज्यादा है और अभी की कीमत से करीब 29 फीसदी अधिक है। यानी अभी के स्तर पर अगर निवेश किया जाए और मोतीलाल ओसवाल की भविष्यवाणी अगर सही हो तो हर स्टॉक पर आपको 400 रुपये से ज्यादा का फायदा हो सकता है। अडानी पोर्ट्स के शेयरों ने पिछले 6 महीने में 14 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया है। वहीं इस साल अभी तक यह शेयर 38 फीसदी से अधिक ऊपर गया है। बीते एक साल में इस शेयर ने 74 फीसदी का रिटर्न दिया है।

बीते सप्ताह सोयाबीन तिलहन के भाव कमजोरी के साथ बंद

- सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये बढ़कर 6,675-6,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में ऊंचे भाव पर कम कारोबार के बीच मूंगफली तेल-तिलहन तथा डी-आयल्ड केक (डीओसी) की कमजोर मांग से सोयाबीन तिलहन के भाव गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं बाजार में विशेषकर नरम तेलों (सॉफ्ट आयल) की कम आपूर्ति की स्थिति के बीच सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल तथा बिनौला तेल के भाव सुधार के साथ बंद हुए। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि ऊंचे दाम पर कम कारोबार तथा नई फसल की आवक के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट दर्ज हुई। जबकि डीओसी की कमजोर मांग से सोयाबीन तिलहन के दाम भी सप्ताहांत में गिरावट के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये बढ़कर 6,675-6,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 250 रुपये बढ़कर 14,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 40-40 रुपये की मजबूती के साथ क्रमशः 2,175-2,275 रुपये और 2,175-2,290 रुपये टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 70-70 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,830-4,880 रुपये प्रति क्विंटल और 4,605-4,740 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसके विपरीत सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 1,000 रुपये, 700 रुपये और 650 रुपये बढ़कर क्रमशः 12,850 रुपये, 12,450 रुपये और 9,250 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी पिछले सप्ताहांत के मुकाबले गिरावट का रुख रहा। मूंगफली तिलहन 125 रुपये की गिरावट के साथ 6,350-6,625 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 275 रुपये की गिरावट के साथ 15,100 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 40 रुपये की गिरावट के साथ 2,270-2,570 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। वहीं कम आपूर्ति की स्थिति के कारण कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 450 रुपये की तेजी के साथ 11,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 1,000 रुपये के सुधार के साथ 13,150 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 1,050 रुपये के सुधार के साथ 12,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। कम स्टॉक के बीच मांग निकलने से समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल 650 रुपये के सुधार के साथ 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

जुलाई में देश का कोयला आयात बढ़कर 2.52 करोड़ टन हुआ

नई दिल्ली।

इसी साल जुलाई में देश का कोयला आयात 40.56 प्रतिशत बढ़कर 2.52 करोड़ टन रहा है। पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने में कोयला आयात 1.79 करोड़ टन रहा था। बी2बी ई-कॉमर्स मंच एमजंक्शन सर्विसेज द्वारा जुटाए गए आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। चालू वित्त वर्ष के पहले अप्रैल-जुलाई में कोयला आयात बढ़कर 10.04 करोड़ टन पर पहुंच गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 8.91 करोड़ टन था।

एमजंक्शन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अगले महीने त्योहारी सीजन से पहले आने वाले हफ्तों में आयात मांग में तेजी आने की संभावना है। समुद्री मार्ग से ढुलाई दरों में नरमी के बीच गैर-कोकिंग कोयले के आयात में तेजी देखने को मिल रही है। हालांकि, इस्पात मिलों की कमजोर मांग के कारण कोकिंग कोयले की मात्रा में कमी आई है। जुलाई में कुल आयात में गैर-कोकिंग कोयले का हिस्सा 1.65 करोड़ टन रहा, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह आंकड़ा 1.01 करोड़ टन था। कोकिंग कोयले का आयात 48.1 लाख टन रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष जुलाई में यह 50.3 लाख टन था। अप्रैल-जुलाई की अवधि के दौरान गैर-कोकिंग कोयले का आयात एक साल पहले के 5.66 करोड़ टन की तुलना में बढ़कर 6.56 करोड़ टन पर पहुंच गया। वहीं कोकिंग कोयले के आयात में 2.02 करोड़ टन के मुकाबले मामूली बढ़त देखने को मिली। कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने पूर्व में कहा था कि भारत को जीवाश्म ईंधन का घरेलू उत्पादन बढ़ाना चाहिए और कोयले का आयात कम करना चाहिए। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का कोयला आयात 7.7 प्रतिशत बढ़कर 26.82 करोड़ टन रहा था। जुलाई में भारत का कोयला उत्पादन सालाना आधार पर 6.36 प्रतिशत बढ़कर 7.4 करोड़ टन हो गया। अप्रैल-जुलाई में भारत का कुल कोयला उत्पादन 32.13 करोड़ टन से अधिक रहा, जो एक साल पहले की इसी अवधि से 9.6 प्रतिशत अधिक है।

सेंसेक्स की शीर्ष छह कंपनियों का मार्केट कैप 1.97 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,97,734.77 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक को हुआ। पिछले सप्ताह आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 63,359.79 करोड़ रुपये बढ़कर 9,44,226.88 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 58,569.52 करोड़ रुपये बढ़कर 13,28,605.29 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 44,319.91 करोड़ रुपये बढ़कर 9,74,810.11 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 19,384.07 करोड़ रुपये बढ़कर 20,11,544.68 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 10,725.88 करोड़ रुपये बढ़कर 7,00,084.21 करोड़ रुपये और आईटीसी का 1,375.6 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 6,43,907.42 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस रुख के विपरीत टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की बाजार हैसियत 85,730.59 करोड़ रुपये घटकर 15,50,459.04 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का मूल्यांकन 15,861.16 करोड़ रुपये घटकर 7,91,438.39 करोड़ रुपये, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 14,832.12 करोड़ रुपये घटकर 6,39,172.64 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 7,719.79 करोड़ रुपये घटकर 6,97,815.41 करोड़ रुपये पर आ गया।

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी और एलआईसी का स्थान रहा।

सरकारी कर्मचारियों को अब दो साल और मिलेगा एलटीसी का लाभ

अब 25 सितंबर 2026 तक कर सकेंगे जम्मू कश्मीर, अंडमान निकोबार और पूर्वोत्तर क्षेत्र की हवाई यात्रा

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने लीव ट्रैवल कंसेशन (एलटीसी) के तहत जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और पूर्वोत्तर क्षेत्र की यात्रा की अनुमति देने वाली योजना को दो साल तक बढ़ा दिया है। अब सरकारी कर्मचारी जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और पूर्वोत्तर क्षेत्र की हवाई यात्रा 25 सितंबर 2026 तक कर सकेंगे। पहले यह योजना 25 सितंबर 2024 को समाप्त हो रही थी। पात्र केंद्र सरकार के कर्मचारियों को एलटीसी का लाभ उठाने पर पेड लीव के अलावा आने-जाने की यात्रा के टिकटों की प्रतिपूर्ति भी मिलती है। कार्मिक मंत्रालय ने एक आदेश में कहा गया है कि सभी पात्र कर्मचारी चार साल की ब्लॉक अवधि में अपने एक होम टाउन एलटीसी में बदलाव के बदले जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और पूर्वोत्तर क्षेत्र में किसी भी स्थान पर जाने के लिए एलटीसी के हकदार हैं, जो एयर पलॉई एयर ट्रैवल के हकदार नहीं हैं, उन्हें भी इन क्षेत्रों के लिए किसी भी एयरलाइन की इकोनॉमी क्लास में यात्रा की अनुमति दी गई है। आदेश के मुताबिक सरकारी कर्मचारी जो हवाई यात्रा के लिए इलिजिबल हैं, वे अपने हेडक्वार्टर से हकदार श्रेणी में फ्लाइट बुक कर सकते हैं। गैर-हकदार कर्मचारी कुछ खास रूट्स पर इकोनॉमी क्लास में हवाई यात्रा कर सकेंगे। इन रुट्स में कोलकाता, गुवाहाटी और पूर्वोतर क्षेत्र में किसी भी स्थान के बीच कोलकाता, चेन्नई, विशाखापत्तनम और पोर्ट ब्लेयर के बीच तथा दिल्ली, अमृतसर और जम्मू-कश्मीर, लद्दाख के किसी भी स्थान के बीच के रूट शामिल हैं।

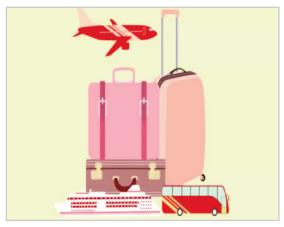

भारत / बांग्लादेश पहला टेस्ट: भारत ने पहले टेस्ट में बांग्लादेश को 280 रनों से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय टीम ने यहां के एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में खेल गये पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में बांग्लादेश को 280 रनों से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम की जीत में आर अश्विन की अहम भूमिका रही। अश्विन ने जहां पहली पारी में शतक लगाया। वहीं दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर बांग्लादेशी टीम को समेट दिया। भारतीय टीम ने इस मैच में बांग्लादेश को जीत के लिए 515 रनों का लक्ष्य दिया था जिसका पीछा करते हुए बांग्लादेश की पूरी टीम खेल के चौथे दिन ही पहले सत्र में 234 रनों पर ही आउट हो गयी।

इस मैच में अश्विन के शतक से ही भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 376 रन बनाए। वहीं बांग्लादेशी टीम इसके जवाब में 149 रनों पर ही आउट हो गयी। इस प्रकार भारतीय टीम को पहली पारी के आधार पर 227 रनों की विशाल बढ़त मिली। भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी चार विकेट पर 287 रन बनाकर घोषित कर दी। ऐसे में बांग्लादेश की टीम जीत के लिए 515 रनों का मुश्किल लक्ष्य मिला जो वह हासिल नहीं कर पायी।

515 रनों के कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाजों जाकिर हसन और शादमान इस्लाम ने आक्रामक शुरुआत की। दोनों ने ही भारतीय टीम के तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की गेंदों पर अच्छे शॉट लगाये। टीम ने टी-ब्रेक तक ही बिना विकेट खो 50 से अधिक रन बना लिये पर पर जाकिर हसन 35 और शादमान के 33 रनों पर आउट होने के बाद टीम की बल्लेबाजील बिखर गयी। शादमान के बाद मोमिनुल हक और मुशफिकुर रहीम भी एक के बाद एक आउट हो गये। इसके बाद ये सिलसिल पारी रहा। बांग्लादेश ने दिन की शुरुआत चार विकेट पर 158 रन से आगे से करते हुए पहले सत्र के अंदर 76 रन जोड़ कर बाकी बचे छह विकेट गंवा दिये। भारतीय टीम की ओर से अश्विन ने छह जबकि रविंद्र जडेजा ने तीन विकेट लिए

वहीं इससे पहले दूसरी पारी में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। यशस्वी जायसवाल और रोहित टीम शुरुआत में ही आउट हो गये। जायसवाल 10 जबकि रोहित 5 रन बनाकर आऊट हो गए। विराट भी 17 रन ही बना पाये। इसके बाद शुभमन गिल और ऋषभ पंत ने शतकीय पारियां खेलकर भारतीय टीम को संभाला। ऋषभ ने जहां 128 गेंदों पर 13 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 109 रन बनाए जबकि शुभमन ने 176 गेंदों पर 10 चौके और 4 छक्कों की मदद से नाबाद 119 रन बनाए। वहीं केएल राहुल ने 22 रन बनाये।

संग्राम सिंह एमएमए मुकाबला जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष पहलवान बने

जॉर्जिया (एजेंसी)। भारतीय पहलवान संग्राम सिंह ने गामा इंटरनेशनल फाइटिंग चैंपियनशिप में अपना पहला मुकाबला जीतकर एमएमए की दुनिया में अपनी पहचान बनाई। कॉमनवेल्थ हैवीवेट कुश्ती चैंपियन संग्राम ने मात्र एक मिनट और तीस सेकंड में पाकिस्तानी फाइटर अली रजा नासिर को हराया, जो उनसे सत्रह साल छोटे हैं। इस तरह वे मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स मुकाबला जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष पहलवान बन गए।

ग्यारह प्रतिस्पर्धी देशों में संग्राम की यह उपलब्धि 93 किलोग्राम वर्ग में किसी भारतीय फाइटर द्वारा दर्ज की गई सबसे तेज जीत है। संग्राम ने अपनी कुश्ती कौशल और रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन करके स्पष्ट जीत हासिल की। पारंपरिक कुश्ती में उनकी पृष्ठभूमि है और वे प्रशिक्षण के प्रति समर्पित हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे भारत के लिए यह जीत घर लाने पर बेहद गर्व है। यह जीत भारत में एमएमए के बेहतर भविष्य की दिशा में एक कदम है। यह व्यक्तिगत उपलब्धि से बढ़कर है। मुझे उम्मीद है कि वैश्विक स्तर पर मान्यता मिलने से भारतीय सरकार को मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) का समर्थन करने वाले कार्यक्रमों को लागू करने और युवाओं को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करने की प्रेरणा मिलेगी।'

सिंह ने मुकाबला जीतने के बाद कहा, 'मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि इससे युवा एथलीटों को अपनी आंतरिक शक्ति खोजने, महानता के लिए प्रयास करने और मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स की दुनिया में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।% संग्राम ने अपने कोचों को उनके महत्वपूर्ण समर्थन के लिए भी श्रेय दिया। उन्होंने कहा, 'मैं अपने भारतीय कोच भूपेश कुमार को उनके अटूट मार्गदर्शन के लिए पर्याप्त धन्यवाद नहीं दे सकता। वे हर कदम पर मेरे साथ रहे हैं। मैं अपने अंतरराष्ट्रीय कोच डेविड सर का भी बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में आने के दौरान मेरा पूरा साथ दिया और मेरी रणनीति को बेहतर बनाने में मेरी मदद की। मैं इस मुकाबले के लिए उनसे बेहतर तरीके से तैयार नहीं हो सकता था।'

महिला टी20 विश्व कप: यूएई की पिच धरेलू मैदान जैसी, हमें मिलेगा फायदा: मिताली

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट की पूर्व कप्तान मिताली राज का मानना है कि 3 अक्टूबर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले महिला टी20 विश्व कप में भारत को अन्य टीमों के मुकाबले ज्यादा फायदा होगा क्योंकि यूएई की पिच धरेलू मैदान जैसी ही हैं। आईसीसी ने बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति के कारण इसे यूएई के दुबई और शारजाह में कराने का फैसला लिया है।

मिताली ने कहा कि यूएई की परिस्थितियां भी काफी अनुकूल हैं इसलिए हम कह सकते हैं कि हमारी टीम को फायदा मिलेगा लेकिन पूर्व बल्लेबाज ने आत्ममुग्धता से बचने की हिदायत दी क्योंकि हर टीम टूर्नामेंट के लिए पूरी तैयारी कर रही है और मजबूत इरादों के साथ मैदान में उतरेगी। आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने के बावजूद भारतीय महिला टीम को अभी अपना पहला वैश्विक खिताब जीतना बाकी है। मिताली ने कहा कि भारतीय महिला टीम ने अभी तक अंडर-19 विश्व कप के अलावा कोई आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीता है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि मैं चाहूंगी कि टीम अच्छा खेले क्योंकि जब हम विश्व कप में जाते हैं तो हर किसी की तरह हम भी अपनी टीम को जीतते हुए देखना चाहते हैं। भारतीय महिला टीम अपने अभियान का आगाज 4 अक्टूबर को दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी। भारत को ग्रुप-ए में आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ रखा है।

'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि परिस्थितियां कैसी हैं', बांग्लादेश से पहला टेस्ट जीतकर बोले रोहित शर्मा

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में 280 रन से जीत दर्ज करने के बाद रविवार को यहां कहा कि विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए वह 'मजबूत गेंदबाजी विकल्पों' के आस पास अपनी टीम को तैयार करने पर ध्यान दे रहे हैं। भारत ने अनुभवी रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा के हरफनमौला खेल के साथ शुभमन गिल और ऋषभ पंत की शतकीय पारियों के दम पर पांच सत्र रहते बड़ी जीत दर्ज की।

रोहित ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, 'हम अपनी टीम को मजबूत गेंदबाजी विकल्पों के इर्द-गिर्द बनाना चाहते हैं, हमें किसी भी परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा।' उन्होंने कहा, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि परिस्थितियां कैसी हैं, चाहे हम भारत में खेलें, चाहे हम बाहर खेलें, हम उसी के अनुरूप टीम बनाना चाहते हैं।' भारतीय कप्तान ने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में हम जहां भी खेले हैं, हम अपने विकल्पों का अच्छे से इस्तेमाल करने में कामयाब रहे हैं। हम तेज गेंदबाजी या स्पिन दोनों विकल्पों को इस्तेमाल करने में सफल रहे हैं।'

हमने अच्छी तैयारी की

बांग्लादेश की टीम जीत के लिए 515 रन के असंभव जैसे लक्ष्य का पीछा करते हुए 234 रन पर आउट हो गई। पहली पारी में बल्ले से 113 रन का योगदान देने वाले अश्विन ने दूसरी पारी में 88 रन पर छह विकेट झटके। रोहित ने कहा, 'आने वाले मैचों को देखते हुए हमारे हमारे लिए यह एक शानदार परिणाम है। हम लंबे समय बाद खेल (टेस्ट मैच) रहे हैं। हम यहां एक सप्ताह पहले आए थे और हमने अच्छी तैयारी की। हमें वह परिणाम मिला जो हम चाहते थे।'

सबसे ज्यादा खुशी पंत की वापसी से

भारतीय कप्तान को सबसे ज्यादा खुशी पंत की इस प्रारूप में यादगार वापसी से है। उन्होंने कहा, 'वह सचमुच बहुत कठिन समय से गुजरा है। जिस तरह उसने मुश्किल समय का सामना किया और खुद को संभाला वह देखना शानदार था। उन्होंने आईपीएल में वापसी की। उसके बाद टी20 विश्व कप में बेहद सफल रहे लेकिन उसे टेस्ट प्रारूप को सबसे ज्यादा पसंद है।'

इंग्लैंड के स्पिनर आदिल ने बनाया रिकार्ड

लीड्स । स्पिनर आदिल राशिद एकदिवसीय क्रिकेट में 200 विकेट लेने वाले इंग्लैंड के पहले स्पिनर बन गये हैं। आदिल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लीड्स में

दूसरे एकदिवसीय मैच के दौरान 42 रन देकर 2 विकेट लिए। इस प्रकार आदिल ने अपने 137 एकदिवसीय मैच में 32.22 की औसत से 201 विकेट लिए हैं। उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन 27 रन देकर 5 विकेट लेना रहा है। उन्होंने इस प्रारुप में 8 बार 4 विकेट और 2 बार 5 विकेट लिए हैं। राशिद एकदिवसीय में इंग्लैंड की ओर से तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, पहले दोनो ही स्थानों पर तेज गेंदबाज गेंदबाज जेम्स एंडरसन 269 विकेट और डैरेन गॉफ 234 विकेट हैं। एंडरसन ने 194 मैचों में अपने 269 विकेट लिए। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 23 रन देकर पांच विकेट लेना रहा है। वहीं गॉफ ने 158 मैचों में अपने 234 विकेट लिए। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 44 रन देकर पांच विकेट लेना रहा है।

टेस्ट प्रारुप में शतक से वापसी कर उत्साहित हैं ऋषभ

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले ही टेस्ट में मिली जीत पर खुशी जतायी है। ऋषभ ने कार हादसे के करीब ड़ेढ साल बाद टेस्ट में वापसी करते हुए इस मैच में शानदार शतक लगाया जिससे वह उत्साहित हैं। साथ ही कहा कि आने वाले समय में उन्हें और अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। ऋषभ ने पहली पारी में 39 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में शानदार शतक लगाया। ऋषभ ने ये दोनो ही पारियां इसलिए भी अहम हैं क्योंकि ये कठिन समय में खेली गयीं थीं। इस क्रिकेटर ने पहले टेस्ट में जीत के बाद कहा, सबसे पहले तो मुझे चेन्नई में खेलना पसंद है और दूसरी बात ये है कि मैं वापसी के बाद तीनों प्रारूपों में खेलना चाहता था, यह इस प्रारूप में मेरा पहला मैच था और उम्मीद है कि मैं आगे भी बेहतर प्रदर्शन करूंगा। यह भावनात्मक रुप से मेरे लिए अहम था क्योंकि मैं प्रत्येक खेल में रन बनाना चाहता था। साथ ही कहा, टेस्ट क्रिकेट में वापस आना, जहां मैं सबसे अधिक हूं और मैदान पर होना मुझे किसी भी चीज से अधिक खुशी देता है। मुझे नहीं पता कि लोग बाहर क्या कहते हैं, मैंने अपने तरीके से हालात समझे के प्रयास किये हैं। जब टीम शुरुआती विकेट खो दे तो बड़ी साझेदारी की जरुरत होती है और मैंने वही शुभमन के साथ किया।

दलीप ट्रॉफी: अर्शदीप सिंह का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, भारत डी को मिली सांत्वना जीत

अनंतपुर (एजेंसी)। अर्शदीप सिंह के करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (40 रन पर छह विकेट) के दम पर भारत डी ने दलीप ट्रॉफी मैच में रविवार को यहां चौथे और आखिरी दिन भारत बी को 257 रन के बड़े अंतर से हराकर सांत्वना जीत दर्ज की। भारत डी ने दिन की शुरुआत पांच विकेट पर 244 रन से आगे की लेकिन टीम 305 रन पर आउट हो गई। इसके बाद भारत बी को लगभग 70 ओवर में जीत के लिए 373 रन का मुश्किल लक्ष्य मिला।

अर्शदीप और आदित्य ठाकरे (59 रन पर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने अभिमन्यु ईश्वरन की अगुवाई वाली भारत बी की टीम महज 115 पर आउट हो गई। अर्शदीप ने मैच में 90 रन पर 9 विकेट झटक कर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

उन्होंने पहली पारी की तरह दूसरी पारी में भी भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव (16) का विकेट चटकाया।

ईश्वरन एक बार फिर से दबाव की परिस्थिति में जज्बा दिखाने में विफल रहे और 19 रन बनाकर अर्शदीप की गेंद पर आकाश सेनगुप्ता के द्वारा लपके गए। नीतिश रेड्डी ने 43 गेंद में नाबाद 40 रन की आक्रामक पारी खेलकर टीम को 100 रन के पार पहुंचाया। भारत डी की टीम इस मैच से छह अंक हासिल करने के बावजूद तालिका में सबसे नीचे चौथे स्थान पर रहेगी। टीम अपने शुरुआती दोनों मैचों को हार गयी थी। इससे पहले दिन की शुरुआत में रिकी भुई ने अपने शतक को पूरा किया। उन्होंने 125 गेंद की नाबाद पारी में 15 चौके और तीन छक्के की मदद से 119 रन बनाए। उनके एक छोर संभाले रखने के बावजूद टीम ने 14.3 ओवर में 61 रन जोड़कर अपने बाकी बचे पांच विकेट गंवा दिए। टूर्नामेंट में यह उनका दूसरा शतक था। भारतीय अंडर-19 टीम के इस पूर्व कप्तान ने इस मैच की पहली पारी में भी 56 रन बनाए थे। वह मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए।

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम का ऐलान

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने रविवार को यहां शुरुआती टेस्ट में बांग्लादेश को 280 रन से हराने वाली भारतीय टीम को कानपुर में होने वाले दूसरे और अंतिम मैच के लिए बरकरार रखा है। भारतीय टीम ने रविवार को मैच के चौथे दिन की शुरुआती सत्र में ही बड़ी जीत दर्ज की। टीम अपने व्यस्त टेस्ट कार्यक्रम को देखते हुए अगले मैच में प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के साथ कुछ अन्य खिलाड़ियों को विश्राम दे सकती है। बीसीसीआई से जारी बयान के मुताबिक, 'पुरुष चयन समिति ने बांग्लादेश के खिलाफ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक टेस्ट श्रृंखला के दूसरे मैच के लिए वही टीम बरकरार रखी है।'

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम -

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, यश दयाल।

लेजेंड्स लीग : 45 साल के मोर्ने वान विक का ताबड़तोड़ शतक, रैना की पारी पड़ी फीकी

खेल डैस्क - लीजेंड्स लीग क्रिकेट 2024 के मैच नंबर तीन में जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में गुजरात ग्रेट्स और टोयम हैदराबाद की टीमें आमने सामने हुईं। पहले खेलने उतरी हैदराबाद की टीम ने कप्तान सुरेन रैना के 27 गेंदों पर 44 रनों की बदौलत 20 ओवरों में 172 रन बनाए थे। लेकिन जवाब में गुजरात टीम के 45 साल के क्रिकेटर मोर्ने वान विक ने ताबड़तोड़ शतक लगाया और अपनी टीम को जीत दिला दी। गुजरात टीम के कप्तान शिखर धवन है जोकि मैच में 21 रन बनाने में कामयाब रहे। टोयम हैदराबाद के कप्तान सुरेश रैना की बात करें तो वह नंबर 5 पर खेलने उतरे थे। उन्होंने 10वें ओवर में जॉन मूनी को 2 चौके और 1 छक्का लगाकर अपने इरादे जाहिर कर दिए। मनन शर्मा द्वारा 27 गेंदों पर 44 रन बनाकर आउट होने तक रैना ने आक्रामक खेल जारी रखा। उनकी पारी में 5 चौके और 2 छक्के शामिल थे। इससे पहले टोयम हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज चैडविक वाल्टन (17) और जॉर्ज वर्कर (13) ज्यादा योगदान नहीं दे सके। शॉन मार्श तीन गेंदों पर एक रन बनाकर मनन शर्मा की गेंद पर आउट हुए। रैना ने 27 गेंदों पर 44 रन बनाए, जबकि गुरकीरत सिंह ने 19 गेंदों पर 26 रन जोड़े, जिसमें 3 चौके शामिल थे। अंत में पीटर ट्रेगो ने 25 गेंदों 36 रन बनाकर 172/7 पर समाप्ति की। जवाब में खेलने उतरी गुजरात टीम को आखिरी ओवर में ही जीत मिली। गुजरात के लिए मोर्ने ने 69 गेंदों पर 8 चौके और 9 छक्कों की मदद से 116 रन बनाए। शिखर धवन ने 21, लिंडेल सिमंस ने 20 तो यशपाल सिंह ने 13 रन बनाए।

स्पिनरों के खिलाफ पैरों का इस्तेमाल करें और हवाई शॉट खेलने से न डरें

चेन्नई, । अपने जमाने के फैशनेवल क्रिकेटर और भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दौरान स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को नेक सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि स्पिनरों के खिलाफ पैरों का इस्तेमाल करते हुए लंबे हवाई शॉट खेलें। एमए चिदंबरम स्टेडियम में शुक्रवार को दूसरी पारी के दौरान कोहली स्पिनर मेहदी हसन मिराज की गेंद पर 17 रन बनाकर आउट हो गए थे। शास्त्री का मानना है कि कोहली को स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ अपने पैरों का इस्तेमाल करते हुए हवाई शॉट्स खेलने से हिचकिचाना नहीं चाहिए। रवि शास्त्री ने मैच के दौरान कमेंट्री में ही कहा, कि विराट कोहली पिछले कुछ वर्षों में कई बार स्पिनरों का शिकार हुए हैं, लेकिन उन्होंने कई रन भी बनाए हैं। आप उन्हें पैरों का इस्तेमाल करते हुए देखना चाहेंगे, जैसे कि गेंद की पिच पर जाकर खेलें, या शायद स्वीप शॉट का इस्तेमाल करें। स्पिनरों को परेशान करने के लिए कुछ अलग करने की जरूरत है, बजाय इसके कि उन्हें अपने ऊपर दबाव बनाने दिया जाए। जब उन्होंने बहुत रन बनाए थे, तब उन्होंने ऐसा ही किया था। कोहली, जिन्होंने पहली पारी में केवल छह रन बनाए थे, पिछले दो वर्षों से घरेलू धरती पर टेस्ट क्रिकेट में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कोहली का आखिरी टेस्ट शतक पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ पोर्ट ऑफ स्पेन में आया था। 2021 से अब तक, उन्होंने एशिया में 23 पारियों में 29.72 की औसत से 654 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। शास्त्री की सलाह से साफ जाहिर होता है कि वे कोहली को पुराने आक्रामक अंदाज में वापस देखना चाहते हैं, जहां वे अपने फुटवर्क और हवाई शॉट्स के जरिए स्पिन गेंदबाजों पर हावी रहते थे।

ऑस्ट्रेलिया में भारत की संभावनाओं के लिए अहम होगी बुमराह और पंत की फिटनेस और फॉर्म : चैपल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान इयान चैपल ने कहा कि अगर भारत को ऑस्ट्रेलिया में श्रृंखलाओं की जीत की ऐतिहासिक हैट्रिक हासिल करनी है तो तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को चोटों से मुक्त और शीर्ष फॉर्म में रहना होगा। चैपल को लगता है कि भारतीय टीम के लिए इस विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में पांच टेस्ट मैच आस्ट्रेलिया के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला से पहले आदर्श तैयारी है जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट भी शामिल हैं।

चैपल ने 'ईएसपीएन क्रिकइन्फो' में अपने कॉलम में लिखा, ''भारत की प्राथमिकता यही होगी कि उसके ज्यादातर खिलाड़ी फॉर्म में रहें और उन्हें कोई बड़ी चोट नहीं लगे। हालांकि सबसे ज्यादा जरूरी बात जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत का फॉर्म में रहना और चोटों से मुक्त रहना होगा।'' उन्होंने कहा, ''पंत ने भयानक कार दुर्घटना के बाद जिस तरह से टेस्ट में वापसी की है, वह शानदार है। वह भारतीय बल्लेबाजी क्रम में अहम विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं और अगर वह ऑस्ट्रेलियाई दौरे के लिए फॉर्म में रहते हैं तो टीम का मनोबल बढ़ा रहेगा।''

पंत 2020-21 में भारत को आस्ट्रेलिया में पिछली श्रृंखला में मिली जीत के नायक रहे थे। चैपल ने कहा, ''अगर पंत अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं तो यह भारत के लिए अच्छा होगा क्योंकि वह ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों के लिए आदर्श विकेटकीपर हैं।'' उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में भारत के लिए अहम पहलू बुमराह की फिटनेस और फॉर्म होगी। बुमराह ने अगस्त 2023 में पीठ के निचले हिस्से में 'स्ट्रेस फ्रेक्चर' सर्जरी के बाद वापसी के बाद से अपना कार्यभार अच्छी तरह प्रबंधित किया है।

चैपल ने कहा, ''पिछले ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर दो सबसे सफल तेज गेंदबाज बुमराह और मोहम्मद सिराज दोनों की अच्छी फॉर्म और फिटनेस जरूरी है। बुमराह तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करते हैं।'' वह मोहम्मद शमी के भी श्रृंखला शुरू होने से पहले फिट होने की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''अगर मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया के लिए फिट हो जाते हैं तो यह आदर्श होगा और उनकी मौजूदगी से भारत के गेंदबाजी आक्रमण में विविधता भी बढ़ेगी।'' उन्होंने कहा, ''जडेजा और अश्विन के साथ स्पिन गेंदबाजी भी अच्छी है। लेकिन मैं ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर कुलदीप यादव की अहमियत को कम नहीं आकूंगा।

स्मीमेर अस्पताल में स्नातकोत्तर छात्रों के लिए नवनिर्मित जी+16 मंजिला पीजी छात्रावास का उद्घाटन करते केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल

सूरत।

सूरत नगर निगम द्वारा संचालित स्मीमेर अस्पताल के परिसर में मेडिकल कॉलेज के पोस्ट-ग्रेजुएशन छात्रों की सुविधा के लिए 32.07 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित जी + 16 मंजिला पीजी हॉस्टल का उद्घाटन केन्द्रीय जल मंत्री श्री सी.आर. पाटिल ने किया।

इस अवसर पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि सूरत नगर निगम ने स्वच्छता, बुनियादी ढांचे, वायु सर्वेक्षण-वायु गुणवत्ता सूचकांक, आवास योजना के क्षेत्र में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। फिर सूरतवासियों के सहयोग से सूरत का विकास और भी ऊंचाईयों पर पहुंचेगा। सूरत मनपा ने स्मीमेर अस्पताल के परिसर में अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित सूरत का पहला 45 मीटर ऊंचा छात्रावास भवन बनाया है। कुल 192 कमरों में लगभग 400 छात्र रह सकते हैं। इस छात्रावास में आवास मिलने से छात्र पढ़ाई में अधिक समय दे सकेंगे।

भूमिगत जल स्तर को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी द्वारा शुरू किए गए 'कैच द रेन' और 'रेन वॉटर हार्वेस्टिंग-रेन वॉटर हार्वेस्टिंग' अभियान को बढ़ावा देने के लिए स्मीमेर अस्पताल परिसर में जल संचयन के लिए 11 इकाइयां तैयार की गई हैं। उन्होंने कहा कि इससे बारिश का सारा पानी भूमिगत रूप से रिचार्ज हो जाएगा।

इस अवसर पर विधायक सर्वश्री संदीपभाई देसाई, संगीताबेन पाटिल, मनुभाई पटेल, प्रवीणभाई घोघरी, महापौर दक्षेश मवानी, डे. महापौर नरेंद्र पाटिल, सत्तारूढ़ दल के नेता शशिबेन त्रिपाठी, दंडक धर्मेशभाई वानियावाला, मनपा अस्पताल समिति के अध्यक्ष मनीषाबेन अहीर, पूर्व स्थायी समिति के अध्यक्ष परेशभाई पटेल, शहर संगठन के अध्यक्ष निरंजनभाई ज़ांज़मेरा, नगरसेवक, विभिन्न समितियों के अध्यक्ष, स्मीमेर अस्पताल के डॉक्टर, अधिकारी और कर्मचारी नगर निगम के बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

सुरत भुमि, सूरत। श्रीनाथजी गरबा क्लास के आयोजक भावेशभाई रांदेरी और सत्यम भगत द्वारा कल रिलायंस मॉल, उधना दरवाजा में एक प्री-नवरात्रि उत्सव का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में शहर के विभिन्न गरबा वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 300 से अधिक पुरस्कार वितरित किए गए, और खिलाड़ियों ने गरबा का खुब आनंद लिया।

"खेलेंगे जीतेंगे कुछ करके दिखाएंगे" गेम शो का हुआ आयोजन

सुरत भुमि, सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा शनिवार को "खेलेंगे जीतेंगे कुछ करके दिखाएंगे" गेम शो का आयोजन सिटी लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के वृंदावन हॉल में किया गया। गेम शो में मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर चेता पीनाक देसाई (डायरेक्टर ऑफ़ भगवान महावीर कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट स्टडीज) उपस्थित रहीं। महिला शाखा अध्यक्ष सोनिया गोयल ने बताया की गेम शो में अलग-अलग प्रकार के गेम आयोजित किए गए, जिसमें खिलाड़ियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इसके अलावा उपस्थित लोगों ने भी आयोजन में कई गेम खेले। इस मौके पर महिला शाखा की रुचिका रुंगटा, सरोज अग्रवाल, प्रीति गोयल, शालिनी चौधरी, वीणा जैन, रितु गोयल, सपना तुलस्यान, पिंकी अग्रवाल सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।

तुलसी कलश यात्रा से श्री राम कथा की शुरूआत

सुरत भुमि, सूरत।

शहर के वेसू क्षेत्र में श्री श्याम अखंड ज्योत सेवा समिति द्वारा 24 से 30 सितम्बर तक सात दिवसीय श्री राम कथा का आयोजन किया गया है। वेसू, वीआईपी रोड, मेहंदीपुर बालाजी मंदिर की गली में स्थित ग्रीन वैली सोसायटी के सामने निर्मित विशाल पंडाल में शहर में छात्रावास निर्माण के उद्देश्य से आयोजित होने वाली श्री रामकथा कथा से पूर्व रविवार 22 सितम्बर को सुबह श्री श्याम मंदिर, सुरतधाम से बाजे -गाजे के साथ तुलसी कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें महिला, पुरूष व बच्चों ने बढ़- चढ़कर हिस्सा लिया। कलश यात्रा में नवसारी के धरमदास महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहे।

- श्रीकृष्ण- राधा और श्री रामजी की झांकी ने मन मोह लिया

इसके अलावा कलश यात्रा में बग्गी,घोड़े सहित चुनडी वेश में सज धज सैकड़ों महिलाएं सर पर तुलसी गमले लेकर व मुख्य यजमान श्याम सुंदर अग्रवाल एवं कौशल खंडेलिया आदि 51 यजमान कलश लेकर अन्य लोगों के साथ श्री राम के जयकारे लगाते हुए चले। श्रीकृष्ण- राधा और श्री रामजी की झांकी ने लोगों का मन मोह लिया। जहां- जहां से तुलशी कलश यात्रा गुजरी, उसे देखने के लिए लोगों की भीड़ लग गई। इस दौरान पूरा क्षेत्र श्री राम के जयकारे से गुंजायमान हो उठा। यात्रा विभिन्न मार्गों से होकर कथा स्थल पहुँची। यात्रा का जगह जगह पुष्प वर्षा एवं शीतल पेय से स्वागत किया गया। कथा स्थल पर दोपहर को श्री रामचरितमानस के नवाह्नपारायण पाठ किया गया। वहीं शाम 4 बजे से श्री श्याम अखंड ज्योत पाठ हुआ। जिसमें बड़ी तादाद में श्रद्धालु ने भाग लिया।

निवेदक श्री प्रभु प्रेमी संघ ने बताया कि सूरत में श्री श्याम अखंड ज्योत सेवा समिति द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्री रामकथा में जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंदगिरी महाराज व्यासपीठ से प्रतिदिन शाम 4 बजे से 7 बजे तक श्री राम कथा का रसपान कराएंगे। श्री राम कथा को सफल बनाने श्री श्याम अखंड ज्योत सेवा समिति के सभी पदाधिकारी, सदस्य तथा प्रभु प्रेमी संघ के सैकडो कार्यकर्ता भूमिका निभा रहे हैं।

वेसू में आदर्श रामलीला ट्रस्ट द्वारा रामलीला मंडप का स्वास्तिक पूजन

सुरत भुमि, सूरत।

श्री आदर्श रामलीला ट्रस्ट द्वारा हर साल के भांति इस वर्ष भी 47 वा वार्षिक रामलीला महोत्सव 3 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। रविवार 22 सितंबर को वेसू स्थित रामलीला मैदान में सुबह 10.25 बजे रामलीला भूमि पूजन किया गया। श्री आदर्श रामलीला ट्रस्ट के महामंत्री अनिल कुमार अग्रवाल ने बताया कि बच्चो को हमारी संस्कृति से अवगत कराना, धर्म के प्रति आस्था जगाना हमारे ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य है। वृंदावन के रासाचार्य श्री त्रिलोक जी शर्मा की मंडली द्वारा लीला मंचन होगा। रामलीला मंडप पूजन भक्ति भाव से किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष रतन गोयल ,उपाध्यक्ष सुशील बंसल, मंत्री गिरधारी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अजय बंसल ,लीला मंत्री अंशू पंडित, प्रल्हाद अग्रवाल, सुदर्शनभाई, दिनेश अग्रवाल, संजय जैन एवं अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक ने 15वीं स्थापना दिवस मनाया, पूरे देश में 18 नए बैंकिंग आउटलेट्स का उद्घाटन किया

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने आज गर्व के साथ अपने 15वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भारत भर में 18 नए बैंकिंग आउटलेट्स का उद्घाटन किया। इस विस्तार के साथ, के बैंकिंग आउटलेट्स की कुल संख्या बढ़कर 966 हो गई है।

नए बैंकिंग आउटलेट्स को विभिन्न राज्यों में बैंक की पहुंच को बढ़ाने के लिए रणनीतिक रूप से स्थापित किया गया है-

बिहार: 4 आउटलेट्स
हिमाचल प्रदेश: 1 आउटलेट
झारखंड: 2 आउटलेट्स
केरल: 2 आउटलेट्स
मध्य प्रदेश: 3 आउटलेट्स
महाराष्ट्र: 1 आउटलेट
ओडिशा: 2 आउटलेट्स
उत्तर प्रदेश: 2 आउटलेट्स
उत्तराखंड: 1 आउटलेट

विस्तार पर टिप्पणी करते हुए, श्री पार्वीन कुमार गुप्ता, अध्यक्ष, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने कहा, "हमारे स्थापना दिवस पर इन नए बैंकिंग आउटलेट्स का उद्घाटन हमारे वित्तीय समावेशन के दृष्टिकोण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम अपनी पहुंच बढ़ाने और प्रत्येक व्यक्ति और समुदाय को सशक्त बनाने वाले नवोन्मेषी और ग्राहक-केंद्रित बैंकिंग समाधानों को प्रदान करने के प्रति प्रतिबद्ध हैं।"

बैंक की यात्रा पर विचार करते हुए, श्री गोविंद सिंह, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने कहा, "उत्कर्ष कोरइन्वेस्ट लिमिटेड के गठन से लेकर उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक बनने तक, पिछले वर्षों में विकास, सीखने और प्रतिबद्धता की एक शानदार यात्रा रही है। हमारे मूल कंपनी के समय से लेकर आज तक की हमारी यात्रा ने ग्राहकों को मूल्य प्रदान करने और वित्तीय समावेशन के अपने मिशन को पूरा करने पर लगातार ध्यान केंद्रित किया है। जैसे ही हम अपने 15वें स्थापना दिवस का जश्न मनाते हैं, इन 18 नए बैंकिंग आउटलेट्स का उद्घाटन हमारे सामुदायिक सशक्तीकरण और आर्थिक विकास के लिए लगातार प्रयासों का प्रतीक है।"

बैंक अपने ग्राहकों को विभिन्न वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने के लिए तैयार है, जिसमें बचत और चालू खाते, निश्चित जमा और आवर्ती जमा शामिल हैं। अपने ग्राहकों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए, बैंक विभिन्न ऋण उत्पादों की पेशकश करता है, जैसे कि आवास ऋण, व्यवसाय ऋण और संपत्ति के खिलाफ ऋण। अपने बैंकिंग आउटलेट अवसंरचना, डिजिटल बैंकिंग क्षमताओं और एटीएम नेटवर्क के साथ, बैंक एकीकृत ग्राहक सेवा प्रदान करता है। इसके अलावा, बैंक इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) और कॉल सेंटर जैसे कई चैनल प्रदान करता है।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड का लक्ष्य वित्तीय सेवाओं से वंचित या कम पहुँच वाले वर्गों को व साथ ही समाज के अन्य वर्गों को वित्तीय सेवाएँ प्रदान करना है, जैसे कि माइक्रो-बैंकिंग ऋण (जेडीएल ऋण), एमएसएमई ऋण, आवास ऋण और संपत्ति के खिलाफ ऋण। इसके अलावा, बैंक ग्राहकों को "डिजी ऑन-बोर्डिंग" नामक टैबलेट-आधारित एप्लिकेशन सहायता मॉडल के माध्यम से शाखा में जाने की आवश्यकता के बिना बैंक खाता खोलने की सुविधा प्रदान करता है।

प्री-नवरात्रि पर खैलियों के झुमने से गूंज उठा अवध यूटोपिया का डोम

सूरत। भाविन गरबा ग्रुप की ओर से गुरुवार रात अवध यूटोपिया में प्री-नवरात्रि का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रुप के 1000 खिलाड़ियों ने अवध यूटोपिया के हॉल में धमाल मचाया। ट्रेडिशनल और सेमी- ट्रेडिशनल परिधानों में युवा जोश में दिखे। इसके साथ ही खिलाड़ी पारंपरिक गरबा की रास के साथ कदम मिलाते हुए इस प्री-नवरात्रि का पूरा आनंद लेते दिखे।

अग्रवाल विकास ट्रस्ट जयंती महोत्सव

सुरत भुमि, सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में ''हाउजी अग्र महल कीज मेघा म्यूजिक हाउजी का आयोजन दो भाग में शनिवार एवं रविवार को किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार ने बताया की इस मौके पर सिटी-लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के द्वारका हॉल को राजमहल की थीम पर सजाया गया। शाम छ: बजे से आयोजित कार्यक्रम में होस्ट आर जे मीत के अलावा तीन सिंगर और लाइव बैंड की प्रस्तुति के साथ हाउजी खिलाई गई। आयोजन में भाग लेने वाले 1000 से ज्यादा प्रतियोगी राजा-महारानी की थीम पर तरह के परिधान (ड्रेसप) में आये और प्रत्येक गाने के दौरान डांस भी किया। हाउजी दो पार्ट में खेला गया और प्रत्येक पार्ट के विजेताओं को ट्रस्ट द्वारा विभिन्न केटेगरी में ईनाम दिए गए। आयोजन में सभी के लिए ट्रस्ट द्धारा अल्पाहार और खाने की व्यवस्था की गयी। अग्रवाल विकास ट्रस्ट द्वारा जयंती महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष संजय सरावगी, उपाध्यक्ष प्रमोद कंसल, सचिव अनिल शोरेवाला, सहकोषाध्यक्ष रमेश अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, महिला शाखा अध्यक्षा सोनिया गोयल, युवाशाखा अध्यक्षा प्रशांत अग्रवाल सहित ट्रस्ट के अनेकों सदस्य एवं युवा एवं महिला शाखा के अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

मैक्स फैशन ने अपने नए 'न्यू न्यू यू' कैंपेन के साथ कल्कि कोचलिन को स्टाइल में लॉन्च किया है

दुबई स्थित लैंडमार्क ग्रुप का सबसे पसंदीदा फैशन ब्रांड मैक्स फैशन 'न्यू न्यू यू' अभियान के लिए प्रसिद्ध अभिनेत्री और स्टाइल आइकन कल्कि कोचलिन के साथ एक विशेष सहयोग के साथ ब्रांड के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत करने के लिए तैयार है। यह अभियान नवीनीकृत आत्मविश्वास के दायरे में प्रवेश करके विकास की भावना पैदा करता है जो स्टाइल की परिवर्तनकारी शक्ति के कारण ग्राहक को एक नया अनुभव देता है। अभियान में एक परिष्कृत संग्रह है जो पुनर्निमाण की भावना को दर्शाता है, चाहे वह उत्सव के लिए हो या मैत्रीपूर्ण संबंध (वर्कवियर, कैजुअल आउटफिट, फ्यूजन उत्सव के परिधान या हाई-ग्लैमर अवसर के परिधान) के लिए - यह शैली इस सीज़न में उत्सव के लिए टोन सेट करती है।

इस स्टाइलिश कलेक्शन के लिए किसी ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता है जो उसके तेज के साथ पूरी तरह से मेल खाता हो, ऐसा व्यक्ति जिसके पास व्यक्तित्व के प्रति सच्चे रहते हुए पारंपरिक फैशन की सीमाओं को तोड़ने की अद्वितीय क्षमता हो - और शानदार कल्कि कोचलिन से बेहतर कौन हो सकता है - जो हर तरह से जीवंत हो भूमिका। 'न्यू न्यू यू' कलेक्शन के साथ मैक्स फैशन का लक्ष्य अपने ग्राहकों को अपने नवीनतम पश्चिमी और उत्सव शैलियों और सहायक उपकरण के साथ अपने व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं का पता लगाने की स्वतंत्रता के लिए प्रेरित करना है।

कल्कि अपने करियर और व्यक्तिगत शैली दोनों में साहसिक विकल्प, आत्मविश्वास और आत्म-अभिव्यक्ति को प्रेरित करती हैं - वे मूल्य जो नए युग के आकांक्षी परिवारों के साथ जुड़ने के ब्रांड के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।

'न्यू न्यू यू' प्रस्ताव के अनुरूप, मैक्स फैशन हर हफ्ते नई शैलियों को लॉन्च करने के अपने लंबे समय से चले आ रहे वादे को पूरा कर रहा है, जो 210+ भारतीय शहरों में अपने 520+ स्टोर्स के साथ www.max-fashion.in पर ऑनलाइन ताजगी और उत्साह लाता है। यह दृष्टिकोण ग्राहकों को लगातार नवीनतम रुझान प्रदान करने, एक सहज और गतिशील खुदरा और ऑनलाइन शॉपिंग अनुभव सुनिश्चित करने के लिए मैक्स फैशन के समर्पण को मजबूत करता है।

यह दृष्टिकोण ग्राहकों को लगातार नवीनतम रुझान प्रदान करने, एक सहज और गतिशील खुदरा और ऑनलाइन शॉपिंग अनुभव सुनिश्चित करने के लिए मैक्स फैशन के समर्पण को मजबूत करता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)